



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक

WEEKLY

सं. 19]

नई दिल्ली, मई 2—मई 8, 2004, शनिवार/वैसाख 12—वैसाख 18, 1926

No. 19]

NEW DELHI, MAY 2—MAY 8, 2004, SATURDAY/VAISAKHA 12—VAISAKHA 18, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2004

का.आ. 1110.—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती हिना पी. शाह, अधिवक्ता को मुंबई उच्च न्यायालय में भारत संघ या केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय या केन्द्रीय सरकार के किसी विभाग द्वारा या उसके विरुद्ध सभी दांडिक मामलों का, जिसके अंतर्गत दांडिक रिट याचिकाएं, दांडिक अपीलें, दांडिक पुनरीक्षण, दांडिक निर्देश और दांडिक आवेदन भी हैं, संचालन करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन तुरंत प्रभाव से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पूर्णतर हो, अपर लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है:—

(1) श्रीमती हिना पी. शाह, अधिवक्ता, उक्त तीन वर्ष की अवधि के दौरान मुंबई उच्च न्यायालय में किसी भी दांडिक मामलों में भारत संघ या केन्द्रीय सरकार के किसी कार्यालय या केन्द्रीय सरकार के किसी विभाग के विरुद्ध उपसंजात नहीं होंगी।

(2) श्रीमती हिना पी. शाह, अधिवक्ता, विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी कार्यालय

ज्ञापन सं. एफ. 23/(2) 2001—न्या., तारीख 14 मई, 2001 में अंतर्विद्यु फीस के विवरण के अनुसार फीस की हकदार होंगी

[सं. एफ. 23(2)/2004—न्या.]

डॉ. आर. मीणा, संयुक्त सचिव और सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(JUDICIAL SECTION)

New Delhi, the 22nd April, 2004

S.O. 1110.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Smt. Hina P. Shah, Advocate, as Additional Public Prosecutor for the propose of conducting all criminal cases including Criminal Writ Petitions, Criminal Appeals, Criminal Revisions, Criminal references and Criminal Application by or against the Union of India or any Central Government Office or any Department of the Central Government, in the High Court of judicature at Mumbai, for a period of three years or until further orders, whichever

is earlier with immediate effect, subject to the following conditions, namely :—

- (a) Smt. Hina P. Shah, Advocate, shall not appear against the Union of India or any Central Government Office or any Department of the Central Government in any criminal cases referred to above in the High Court of Judicature at Mumabi during the said period of three years;
- (b) Smt. Hina P. Shah, Advocate, shall be entitled to the fee as per the statement of fees contained in the Office Memorandum No. F. 23 (2)2001-Judl. Dated the 14th May, 2001, issued by the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs, New Delhi.

[F. No. 23(2)/2004-Judl.]

D.R MEENA, Jt. Secy. and Legal Adviser.

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2004

का.आ. 1111.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर वोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंध सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 2005 तक मिजोरम को-आपरेटिव एपेक्स बैंक लि०, आइजोल पर लागू नहीं होंगे।

[फा.सं. 1(7)/2004-एसी]

खड्ग सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(BANKING DIVISION)

New Delhi, the 30th April, 2004

S.O. 1111.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on recommendation of the Reserve Bank of India declares that the provision of Sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to Mizoram Co-operative Apex Bank Ltd., Aizawl from the date of publication of this notification in the Official Gazette till 31 March, 2005.

[F.No. 1(7)/2004-AC]

KHARG SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2004

का.आ. 1112.—भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 (1989 का 39) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, आंध्र प्रदेश स्टेट फाइनेंस कार्पोरेशन (एपीएसएफसी) के प्रबंध निदेशक श्री

आर.पी. वातल को टीआईआईसी, चेन्नई के पूर्व अध्यक्ष श्री पी.वी. राजारमन के स्थान पर 30 अप्रैल, 2004 से तीन वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा.सं. 24(5)/2002-आईएफ-1]

ए. के. राय, निदेशक,

New Delhi, the 30th April, 2004

S.O. 1112—In exercise of the powers conferred by Clause (e) of Sub-section (1) of Section (6) of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Central Government hereby appoints Shri R.P. Watal, Managing Director, Andhra Pradesh State Finance Corporation (APSFC) Vice Shri P.V. Rajaraman, Ex-Chairman TIIC, Chennai, as part time non-official Director on the Board of Small Industries Development Bank of India for a period of three years with effect from 30th April, 2004 or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 24(5)/2002-IF-1]

A. K. RAI, Director

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का.आ. 1113.—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), राजभाषा नियम, 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसार में मध्य रेलवे के भुसावल तथा सोलापुर मंडल, उत्तर रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण तथा दक्षिण रेलवे के तिरुवनंतपुरम मंडल के निम्नलिखित रेल कार्यालयों को, जहां 80% से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्वारा अधिसूचित करता है :—

मध्य रेलवे (भुसावल मंडल)

1. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) एम.एल., भुसावल
2. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) यार्ड, भुसावल
3. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) भंडार, भुसावल
4. सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) नासिक रोड
5. सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) दक्षिण, चालीसगांव
6. सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) उत्तर, चालीसगांव
7. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) पूर्व, अकोला
8. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) बड़नेरा
9. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) ब.ला. खंडवा
10. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) पाचोरा
11. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) मे.ला., भुसावल
12. सेक्शन इंजीनियर (कार्य) नासिक रोड
13. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य), मनमाड
14. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य), मुर्तजापुर

15. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीडी), भुसावल
 16. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीडी), मनमाड
 17. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीडी), अकोला
 18. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीडी), बुरहानपुर
 19. सेक्शन इंजीनियर (टीडी), खंडवा
 20. जूनियर इंजीनियर (टीडी), जलगांव
 21. जूनियर इंजीनियर (टीडी), पाचोरा
 22. जूनियर इंजीनियर (टीडी), चालीसगांव
 23. जूनियर इंजीनियर (टीडी), नांदगांव
 24. जूनियर इंजीनियर (टीडी), निफाड
 25. जूनियर इंजीनियर (टीडी), इगतपुरी
 26. जूनियर इंजीनियर (टीडी), शेगांव
 27. जूनियर इंजीनियर (टीडी), मुर्तिजापुर
 28. जूनियर इंजीनियर (टीडी), नेपानगर
 29. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल), नासिक रोड
 30. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल), मनमाड
 31. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल) चालीसगांव
 32. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल), भुसावल
 33. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल), अकोला
 34. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिगनल), खंडवा
 35. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (दूरसंचार), मनमाड
 36. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (दूरसंचार), आटो, भुसावल
 37. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (दूरसंचार), अकोला
 38. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (दूरसंचार), खंडवा
 39. सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, एमडब्ल्यू, भुसावल
 40. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), भुसावल
 41. सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीएल), भुसावल
 42. सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), मनमाड
 43. सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), चालीसगांव
 44. सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), अकोला
 45. सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), खंडवा
 46. सेक्शन इंजीनियर 1 (विद्युत), बडनेरा
 47. मुख्य कर्मादल नियंत्रक (सवारी) भुसावल
 48. लोको नियंत्रक मनमाड
 49. लोको फोरमैन, इगतपुरी
 50. लोको फोरमैन, नांदगांव
 51. लोको फोरमैन, बडनेरा
 52. लोको फोरमैन, खंडवा
मध्य रेलवे (सोलापुर मंडल)

- मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, सोलापुर
- मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक, सोलापुर
- मुख्य माल पर्यवेक्षक, सोलापुर
- मुख्य टिकट नियंत्रक, सोलापुर
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बाले
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पाकनी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मुंदेवाडी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मोहोल
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मलिकपेठ
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, अनगर
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, वाकाव
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, माढा
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, वडसिंगे
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, कुर्डुवाडी (छो.ला.)
- वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, कुर्डुवाडी
- सहायक मंडल इंजीनियर, (छो.ला.) कुर्डुवाडी
- सहायक मंडल इंजीनियर, (छो.ला.) कुर्डुवाडी
- सेक्शन इंजीनियर, (सिगनल), कुर्डुवाडी
- मुख्य पार्सल/बुकिंग पर्यवेक्षक, कुर्डुवाडी
- मुख्य गुड्स पर्यवेक्षक, कुर्डुवाडी
- सहायक मंडल इंजीनियर, (सि व दू. सं/अनु.), दौँड
- मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, दौँड
- मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, दौँड
- मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक, दौँड
- मुख्य माल पर्यवेक्षक, दौँड
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, काष्टी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, श्रीगोंदा रोड
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बेलवंडी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, विसापुर
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, रांजणगांव रोड
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, सारोला
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, अकोलनेर
- मुख्य माल पर्यवेक्षक, अहमदनगर
- मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, अहमदनगर
- मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, अहमदनगर
- सेक्शन इंजीनियर (विद्युत), अहमदनगर
- प्रधान टिकट संग्राहक, अहमदनगर
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, निबलक
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, विलद
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बाघोरी
- प्रधान टिकट संग्राहक, कुर्डुवाडी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, ढवलस
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, केम
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, भालवनी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, जेऊर
- सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ), जेऊर
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पोफलज
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, वाशिम्बे
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पारेवाडी
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, जिंतीरोड
- स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, भिगवन

52. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मलठन	97. मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, गुलबर्गा
53. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बोरीवेल	98. मुख्य माल पर्यवेक्षक, गुलबर्गा
54. मुख्य यार्ड मास्टर, दौँड	99. मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक, गुलबर्गा
55. मुख्य कर्मीदल नियंत्रक, दौँड	100. सेक्षन इंजीनियर (कार्य), गुलबर्गा
56. वरिष्ठ सेक्षन इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा), दौँड	101. प्रधान टिकट संग्राहक, गुलबर्गा
57. वरिष्ठ सेक्षन इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा), वाडी	102. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बबलाद
58. मंडल चिकित्सा अधिकारी, वाडी	103. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, सावलगी
59. मुख्य कर्मीदल नियंत्रक, वाडी	104. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, हुन्सीहडगिल
60. मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, वाडी	105. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, गंगापुर रोड
61. मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, वाडी	106. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, गौडगांव
62. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, शाहबाद	107. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, कुलाली
63. सहायक मंडल इंजीनियर, शाहबाद	108. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, दुधनी
64. सेक्षन इंजीनियर (कार्य), शाहबाद	109. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), दुधनी
65. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, राहुरी	110. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बोरोटी
66. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पढ़ेगांव	111. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बोहाली
67. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बेलापुर	112. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, वासुद
68. मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, बेलापुर	113. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, जतरोड
69. मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, बेलापुर	114. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, ढालगांव
70. मुख्य माल पर्यवेक्षक, बेलापुर	115. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, कवठेमहाकाल
71. प्रधान टिकट संग्राहक, बेलापुर	116. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, सलगरे
72. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, काहेरगांव	117. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, अरग
73. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, चितली	118. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मिरज बी
74. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, कोपरगांव	119. सेक्षन इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा), मिरज बी
75. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), येवला	120. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, शेंदरी
76. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, येवला	121. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, बारसी टाऊन
77. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, वाडी	122. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), बारसी टाऊन
78. मुख्य यार्ड मास्टर, वाडी	123. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, पांगरी
79. वरिष्ठ सेक्षन इंजीनियर (विद्युत), वाडी	124. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, कलम्बरोड
80. प्रधान टिकट संग्राहक, वाडी	125. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, ढोकी
81. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, नागणसुर	126. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मुरुड
82. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, अकलकोट रोड	127. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, औसा रोड
83. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, तिलाटी	128. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, लातूर
84. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, होटी	129. मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक, लातूर
85. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, टिकेकरवाडी	130. मुख्य माल पर्यवेक्षक, लातूर
86. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मोडलिम्ब	131. मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक, लातूर
87. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), पंढरपुर	
88. सेक्षन इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा), पंढरपुर	
89. मुख्य पार्सल/बुकिंग पर्यवेक्षक, शाहबाद	
90. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), शाहबाद	
91. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, मरतूर	
92. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, हिरेनदूरु	
93. स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, गुलबर्गा	
94. सेक्षन इंजीनियर (रेल पथ), गुलबर्गा	
95. सिगनल नियोक्तक, गुलबर्गा	
96. सेक्षन इंजीनियर (विद्युत), गुलबर्गा	

उत्तर रेलवे (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण कार्यालय)

1. मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/तिलकब्रिज, नई दिल्ली
2. मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/I, II, बड़ौदा हॉटस, नई दिल्ली
3. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/तिलकब्रिज, नई दिल्ली
4. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/तिलकब्रिज/सर्वे, नई दिल्ली
5. उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/तिलक ब्रिज, नई दिल्ली

6. उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/विशेष/तिलक ब्रिज, नई दिल्ली
7. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली
8. उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली
9. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
10. उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/मंडल कार्यालय, नई दिल्ली
11. उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/विशेष/मंडल कार्यालय, नई दिल्ली
12. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/पटेल नगर, नई दिल्ली
13. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लखनऊ
14. उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/लखनऊ
15. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/अंबाला
16. उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मुरादाबाद
17. वरिष्ठ इंजीनियर/निर्माण/अमरोहा
18. वरिष्ठ इंजीनियर/निर्माण/गाजियाबाद
19. वरिष्ठ इंजीनियर/निर्माण/सहारनपुर
20. वरिष्ठ विद्युत इंजीनियर/निर्माण/लखनऊ
21. सहायक इंजीनियर/निर्माण/बठिण्डा
22. सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/मुरादाबाद
23. सहायक इंजीनियर/निर्माण/पानीपत
24. सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/वाराणसी दक्षिण रेलवे (तिरुवनंतपुरम मंडल)

1. क्षेत्र प्रबंधक कार्यालय / एरणाकुलम

[सं. हिन्दी-2003/रा.भा./1/12/3]

वो० एन० माथुर, सचिव

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1113.—Ministry of Railways (Railway Board), in pursuance of Sub Rule (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language Rules, 1976 (use for the official purposes of the Union) hereby, notify the following offices of Bhusawal and Solapur Division of Central Railway, Chief Administrative Officer, Construction of Northern Railway and Thiruvananthapuram Division of Southern Railway, where 80 % or more Officers/Employees have acquired the working knowledge of Hindi :—

Central Railway (BSL Division)

1. Sr. Section Engineer (P. Way) ML, BSL
2. Sr. Section Engineer (P. Way) Yard, BSL
3. Sr. Section Engineer (P. Way) Store, BSL
4. Section Engineer (P. Way) Nasik Road
5. Section Engineer (P. Way) Soth, Chalisgaon
6. Section Engineer (P. Way) North, Chalisgaon
7. Section Engineer (P. Way) East, Akola

8. Sr. Section Engineer (P. Way), Badnera
9. Sr. Section Engineer (P. Way) B.G. Khandwa
10. Sr. Section Engineer (P. Way) Pachora
11. Sr. Section Engineer (Work) ML, BSL
12. Sr. Section Engineer (Work) Nasik Road
13. Sr. Section Engineer (Work) Manmad
14. Sr. Section Engineer (Work) Murtizapur
15. Sr. Section Engineer (TD) BSL
16. Sr. Section Engineer (TD) Manmad
17. Sr. Section Engineer (TD) Akola
18. Sr. Section Engineer (TD) Burhanpur
19. Sr. Section Engineer (TD) Khandwa
20. Jr. Engineer (TD) Jalgoan
21. Jr. Engineer (TD) Pachora
22. Jr. Engineer (TD) Chalisgaon
23. Jr. Engineer (TD) Nandgaon
24. Jr. Engineer (TD) Niphad
25. Jr. Engineer (TD) Igatpuri
26. Jr. Engineer (TD) Shegaon
27. Jr. Engineer (TD) Murtizapur
28. Jr. Engineer (TD) Nepanagar
29. Sr. Section Engineer (Signal) Nasik Road
30. Sr. Section Engineer (Signal) Manmad
31. Sr. Section Engineer (Signal) Chalisgaon
32. Sr. Section Engineer (Signal) BSL
33. Sr. Section Engineer (Signal) Akola
34. Sr. Section Engineer (Signal) Khandwa
35. Sr. Section Engineer (Tele) Manmad
36. Sr. Section Engineer (Tele) Auto, BSL
37. Sr. Section Engineer (Tele) Akola
38. Sr. Section Engineer (Tele) Khandwa
39. Asstt. Signal & Tele. Engineer MW, BSL
40. Sr. Section Engineer (Elec.) BSL
41. Sr. Section Engineer (TL) BSL
42. Section Engineer (Elec.) Manmad
43. Section Engineer (Elec.) Chalisgaon
44. Section Engineer (Elec.) Akola
45. Section Engineer (Elec.) Khandwa
46. Section Engineer-I (Elec.) Badnera
47. Chief Crew Controller (Passr.) BSL
48. Loco Inspector, Manmad
49. Loco Foremen, Igatpur
50. Loco Foremen, Nandgaon
51. Loco Foremen, Badnera

52. Loco Foremen, Khandwa

CENTRAL RAILWAY (SOLAPUR DIVISION)

1. Chief Parcel Supervisor, Solapur
2. Chief Reservation Supervisor, Solapur
3. Chief Goods Supervisor, Solapur
4. Chief Ticket Inspector, Solapur
5. Station Manager's Office, Bale
6. Station Manager's Office, Pakni
7. Station Manager's Office, Mundhewadi
8. Station Manager's Office, Mohol
9. Station Manager's Office, Malikpeth
10. Station Manager's Office, Angar
11. Station Manager's Office, Vakav
12. Station Manager's Office, Madha
13. Station Manager's Office, Wadsinge
14. Station Manager's Office, Kurduwadi (NG)
15. Sr. Divl. Medical Officer, Kurduwadi
16. Assistant Divisional Engineer (NG) Kurduwadi
17. Assistant Divisional Engineer (NG) Kurduwadi
18. Section Engineer (Signal) Kurduwadi
19. Chief Parcel/Booking Supervisor, Kurduwadi
20. Chief Goods Supervisor, Kurduwadi
21. Assistant Divisional Engineer (Signal & Tele M) Daund
22. Chief Booking Supervisor, Daund
23. Chief Parcel Supervisor, Daund
24. Chief Reservation Supervisor, Daund
25. Chief Goods Supervisor, Daund
26. Station Manager's Office, Kashti
27. Station Manager's Office, Shrigonda Road
28. Station Manager's Office, Belvandi
29. Station Manager's Office, Visapur
30. Station Manager's Office, Ranjangaon Road
31. Station Manager's Office, Sarola
32. Station Manager's Office, Akolner
33. Chief Goods Supervisor, Ahmednagar
34. Chief Parcel Supervisor, Ahmednagar
35. Chief Booking Supervisor, Ahmednagar
36. Section Engineer (Electrical), Ahmednagar
37. Head Ticket Collector, Ahmednagar
38. Station Manager's Office, Nimblak
39. Station Manager's Office, Vilad
40. Station Manager's Office, Vambori
41. Head Ticket Collector, Kurduwadi
42. Station Manager's Office, Dhavlas
43. Station Manager's Office, Kem
44. Station Manager's Office, Bhalwani
45. Station Manager's Office, Jeur
46. Section Engineer (P. Way), Jeur
47. Station Manager's Office, Pophlaj
48. Station Manager's Office, Washimbe
49. Station Manager's Office, Parewadi
50. Station Manager's Office, Jinti Road
51. Station Manager's Office, Bhigwan
52. Station Manager's Office, Malthan
53. Station Manager's Office, Boribial
54. Chief Yard Master, Daund
55. Chief Crew Controller, Daund
56. Sr. Section Engineer (C & W), Daund
57. Sr. Section Engineer (C & W), Wadi
58. Divisional Medical Officer, Wadi
59. Chief Crew Controller, Wadi
60. Chief Parcel Supervisor, Wadi
61. Chief Booking Supervisor, Wadi
62. Station Manager's Office, Shahabad
63. Assistant Divisional Engineer, Shahabad
64. Section Engineer (Works), Shahabad
65. Station Manager's Office, Rahuri
66. Station Manager's Office, Padhegoan
67. Station Manager's Office, Belapur
68. Chief Booking Supervisor, Belapur
69. Chief Parcel Supervisor, Belapur
70. Chief Goods Supervisor, Belapur
71. Head Ticket Collector, Belapur
72. Station Manager's Office, Kanhegoan
73. Station Manager's Office, Chitali
74. Station Manager's Office, Kopargaon
75. Section Engineer (P. Way), Yeola
76. Station Manager's Office, Yeolas
77. Station Manager's Office, Wadi
78. Chief Yard Master, Wadi
79. Sr. Section Engineer (Elect), Wadi
80. Head Ticket Collector, Wadi
81. Station Manager's Office, Nagansur
82. Station Manager's Office, Akkalkot Road
83. Station Manager's Office, Tilati
84. Station Manager's Office, Hotgi
85. Station Manager's Office, Tikekarwadi
86. Station Manager's Office, Modlimb
87. Section Engineer (P. Way), Pandharpur

88. Section Engineer (C & W), Pandharpur
89. Chief Parcel/Booking Supervisor, SDB
90. Section Engineer (P.Way), SDB
91. Station- Manager's Office, Martur
92. Station Manager's Office, Hirenanduru
93. Station Manager's Office, Gulbarga
94. Section Engineer (P.Way), Gulbarga
95. Signal Inspector, Gulbarga
96. Section Engineer (Elec.), Gulbarga
97. Chief Parcel Supervisor, Gulbarga
98. Chief Goods Supervisor, Gulbarga
99. Chief Reservation Supervisor, Gulbarga
100. Section Engineer (Works), Gulbarga
101. Head Ticket Collector, Gulbarga
102. Station Manager's Office, Bablad
103. Station Manager's Office, Sawalgi
104. Station Manager's Office, Hunsihadgil
105. Station Manager's Office, Gangapur Road
106. Station Manager's Office, Gaudgaon
107. Station Manager's Office, Kulali
108. Station Manager's Office, Dudhani
109. Section Engineer (P. Way), Dudhani
110. Station Manager's Office, Boroti
111. Station Manager's Office, Bohali
112. Station Manager's Office, Wasud
113. Station Manager's Office, Jath Road
114. Station Manager's Office, Dhalgoan
115. Station Manager's Office, Kavathemahankal
116. Station Manager's Office, Salgare
117. Station Manager's Office, Arag
118. Station Manager's Office, Miraj B
119. Section Engineer (C & W), Miraj B
120. Station Manager's Office, Shendri
121. Station Manager's Office, Barsi Town
122. Section Engineer (P. Way), Barsi Town
123. Station Manager's Office, Pangri
124. Station Manager's Office, Kalamb Road
125. Station Manager's Office, Dhoki
126. Station Manager's Office, Murud
127. Station Manager's Office, Ausa Road
128. Station Manager's Office, Latur
129. Chief Parcel Supervisor, Latur
130. Chief Goods Supervisor, Latur
131. Chief Reservation Supervisor, Latur

Northern Railway (Office of Chief Administrative Officer/Construction)

1. Chief Electrical Engineer/Construction/Tilak Bridge/New Delhi
2. Chief S & T Engineer I, II/ Construction/Baroda House.

3. Dy. Chief Engineer/Construction/Tilak Bridge/ New Delhi
4. Dy. Chief Engineer/Construction/Survey/Tilak Bridge/New Delhi.
5. Dy. Chief S & T Engineer/Construction/Tilak Bridge/New Delhi
6. Dy. Chief S & T Engineer/Construction/Spl./ Tilak Bridge/ New Delhi
7. Dy. Chief Engineer/Construction/Shivaji Bridge/ New Delhi.
8. Dy. Chief Electrical Engineer/Construction/ Shivaji Bridge/ New Delhi
9. Dy. Chief Engineer/Construction/State Entry Road, New Delhi.
10. Dy. Chief Electrical Engineer/Construction/ D.R.M. Office/New Delhi.
11. Dy. Chief S & T Engineer/Construction/Spl/ D.R.M. Office/New Delhi.
12. Dy. Chief Engineer/Construction/Patel Nagar, New Delhi.
13. Dy. Chief Engineer/Construction/Lucknow.
14. Dy. Chief S & T Engineer/Construction/Lucknow.
15. Dy. Chief Engineer/Construction/Ambala
16. Dy. Chief Engineer/Construction/Moradabad
17. Senior Engineer/Construction/Amroha.
18. Senior Engineer/Construction/Ghaziabad.
19. Senior Engineer/Construction/Saharanpur.
20. Senior Engineer/Construction/Lucknow.
21. Asstt. Engineer/Construction/Bhatinda.
22. Asstt. S & T Engineer/Construction/Moradabad.
23. Asstt. Engineer/Construction/Panipat.
24. Asstt. Signal & Telecommunication Engineer/ Construction/Varanasi.

SOUTHERN RAILWAY (Thiruvananthapuram Division)

1. Area Manager's Office, Ernakulam

[No. Hinidi-2003/OL-1/12/03]

V. N. MATHUR, Secy.

विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2004

का.आ. 1114.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड, चंडीगढ़ के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारी-वृंद ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्वारा अधिसूचित करती है :

1. अधीक्षण अभियंता,
तलवाड़ा परिमुँडल,
भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड,
तलवाड़ा टाउनशिप,
जिला-होशियारपुर (पंजाब)

2. अधीक्षण अभियंता,
पौंग बांध परिमंडल,
भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड,
तलवाड़ा टाउनशिप,
जिला-होशियारपुर (पंजाब)
3. अधीक्षण अभियंता,
देहर विद्युत गृह परिमंडल
भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड,
सलापड़ (हिमाचल प्रदेश)

[सं. 11017/1/2004-हिंदी]
अजय शक्तर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF POWER

New Delhi, the 19th April, 2004

S.O. 1114.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Public Sector

Undertakings under the administrative control of Bhakra Beas Management Board, Chandigarh, the Staff whereof have acquired 80% working knowledge of Hindi:—

1. The Superintending Engineer, Talwara Circle, Bhakra Beas Management Board, Talwara Township, Distt. Hoshiarpur (Punjab)
2. The Superintending Engineer, Pong Dam Circle, Bhakra Beas Management Board, Talwara Township, Distt. Hoshiarpur (Punjab)
3. The Superintending Engineer, Dehar Power House Circle, Bhakra Beas Management Board, Salapar (Himachal Pradesh).

[No. 11017/1/2004-Hindi]

AJAY SHANKAR, Jt. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2004

का. आ. 1115.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतदद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:—

अनुसूची

क्रम. सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंस धारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्षक	भा संख्या	भाग	अनु.वर्ष
1	2	3	4	5	6		
1.	9307172	2001/10	बिमल एल्युमीनियम्स प्रा.लि. 31-ए, शिवशंकर नगर, ओरिएंटल इंश्योरेंस कं. के पीछे, कोट रोड, जगाधरी	पिटवां एल्युमीनियम के बर्तन कुकिंग टेबल, सर्विंग, भंडारण व बैकिंग के बर्तन	01660 01		82
2.	9307273	2001/10	बवालिटी पम्प प्रा. लि. 1 बी/ए दादा नगर, कानपुर	गहराई से पानी निकालने के हथबरमे-घटक-मृदु इस्पात- विशिष्टि	14103		94
3.	9307374	2001/10	सचदेवा मेटल वर्क्स सी-33 एक्सटैं, फोकल प्वाइंट जालंधर	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व (50-1200 मिमी साइज)	14846		2000
4.	9307475	2001/10	कशीर स्टील रोलिंग मिल्स सिड्को लेन नं. 2 इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स बारी ब्राह्मण जम्मू	सामान्य संरचना इस्पात- विशिष्टि	02062		99
5.	9307576	2001/10	लुम्बरटेक (प्रा) लि. 57 किमी स्टोन दिल्ली रोहतक रोड गाँव इस्मालिया, जिला रोहतक	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303		89

1	2	3	4	5	6	7
6.	9307677	2001/10	लुम्परटेक (प्रा) लि. 57 किमी स्टोन दिल्ली रोहतक रोड गाँव इस्मालिया जिला रोहतक	स्लॉफ ओर्ड	01659	90
7.	9307778	2001/10	ग्रैमसी प्लाईबुड इंडस्ट्रीज (प्रा) लि. गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	समुद्री उपयोग हेतु प्लाईबुड	00710	76
8.	9307879	2001/10	ग्रैमसी प्लाईबुड इंडस्ट्रीज (प्रा) लि. गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुना नगर	परताकी सजावटी प्लाईबुड	01328	96
9.	9307980	2001/10	जीएमजी प्लाईबुड (प्रा) लि. गाँव कामीमाजरा खजूरी रोड, यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईबुड	00303	89
10.	9308073	2001/11	सर्द मेटल्स प्रा लि. प्लॉट नं. 45 सेक्टर-23 फरीदाबाद	सुवाहा हवा भरे सेंडर	09828	96
11.	9308174	2001/10	गोविन्द इंडस्ट्रीज दशहरा बाग, बाराबंकी	पावर ब्रेसर	09020	79
12.	9308275	2001/11	शिवा इंटरप्राइजिज सेड नं. 10 सिटीको कॉम्प्लैक्स हालोमजरा चंडीगढ़	इन्डियानित नियोनित ओर बलोंकर-पिशिटि	03564	95
13.	9308376	2001/11	शिव शम्भू प्लाईबुड प्रा. लि. बीपीओ चुरिया, जिला यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईबुड	00303	89
14.	9308477	2001/11	शिव शम्भू प्लाईबुड प्रा. लि. बीपीओ चुरिया, जिला यमुनानगर	स्लॉफ ओर्ड	01659	90
15.	9308578	2001/10	बी.एस.स्टील इंडस्ट्रीज सुधावन नगर इंड. एरिया, आलंधर	शानुवर्ध्य डलखंड लोहे के पाइप फिटिंग	01879	87
16.	9308679	2001/10	सुनीत मेटेलिक्स कण्ठाबाट, जिला सोलन	बाहु लगाने के लिए जस्तीकृत इस्पात	00278	78
17.	9308780	2001/10	सुनीत मेटेलिक्स कण्ठाबाट, जिला सोलन	जस्तीकृत इस्पात कड़ी में युद्धे फैस वस्त्र	02721	79
18.	9308881	2001/10	सीडर पम्प एण्ड मोटर्स डी-1/117 संजय कॉलोनी सेक्टर 23, फरीदाबाद	स्लफ, टंडे यांती के लिए पम्प-पुनर्जी	08472	98
19.	9308982	2001/10	एप्पल वेल्कमेंस इंडस्ट्रीज गाँव जाहोली थी ओ आंचलिया जिला सोलन	बाहु लगाने के लिए जस्तीकृत इस्पात	00278	78
20.	9309075	2001/11	जे.जे. हक मंड चलास डब्ल्यू (रजि.) चुराला चौक प्लॉट नं. 27 लाला विल्हेम चौक चौक-चारा चान्डी शू इंड. एस्टेट आलंधर=144004	जे.जे. हक मंड चलास डब्ल्यू (रजि.) चुराला चौक प्लॉट नं. 27 लाला विल्हेम चौक चौक-चारा चान्डी शू इंड. एस्टेट आलंधर=144004	02553 01	90
21.	9309176	2001/11	भारत आर्मेनिक ए-2/3-चूपीएसआईडीसी इंडियाप्लाट एरिया, चांडिला, हरियाणा	गामा-चौरकती (लिफ्ट) इली	00632	78

1	2	3	4	5	6
22.	9309277	2001/11	भारत ऑर्गेनिक्स ए-2/3 यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, संडिला, हरदोई (उ. प्र.)	व्होरपाइरिफॉस ई सी	08944 78
23.	9309378	2001/10	अनिल प्लाई बोर्ड गाँव बरनई अखनूर रोड, जम्मू	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
24.	9309479	2001/11	सारो प्लास्टिक्स प्रा. लि. 9, हल एंसिल्लरी एस्टेट इस्माइलांज, फैजाबाद रोड, लखनऊ	पैकेजबन्द पैय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलाका)	14543 98
25.	9309580	2001/11	दि हनुमान विवर्स प्रॉडक्ट्स को आप. इंड. सोसाइटी लि. दिल्ली रोड समीप सेक्टर 12 सोनीपत-131001	हथकरघे से बनी सूती पट्टियाँ	00863 88
26.	9309681	2001/11	एसकेएन इंडस्ट्रीज लि., 21/18, 19, 22, 23, 28/4, एनएच-8, जयपुर-हाइवे रोड, गाँव मालपुरा धारूहेड़ा, जिला रेवाड़ी	अल्पदाव द्रवणीय गैसों के लिए 5-लिटर से अधिक जलाशमता न्नाले व्हेल्डिंग अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर	03196 01 92
27.	9309782	2001/10	टेम्पून इंडिया प्लॉट नं. 198, सेक्टर 24, फरीदाबाद	तत्कालीन पोनी भर्म करने के बिअली के हीटर	08978 92
28.	9309883	2001/11	अलफा एक्वा एसोसिएट्स, 7/1, इंडस्ट्रियल एरिया रूद्रपुर, जिला यू. एस नगर-263153	बोतलेबन्द प्राकृतिक खनिज जल	13428 98
29.	9309984	2001/11	चेतन सीमेंट इंडस्ट्रीज, सिकोप इंडस्ट्रियल एरिया, कटुआ (जे एण्ड के) 184 102	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट	00455 89
30.	9310060	2001/11	हिन्दुस्तान प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, खजूरी रोड, यमुना नगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
31.	9310161	2001/11	एम. के. मेटल इंडस्ट्रीज, एफ-1, फोकल प्लाईट एक्सटेंशन, जालंधर	घरेलू प्रेशर कूकर	02347 95
32.	9310162	2001/11	न्यूट्रिसिया इंडिया प्रा. लि., डेयरी कॉम्प्लेक्स कासगंज रोड, इटा 207 001	दूध धान्य से बने दूध छुड़ाने के आहार	01656 97
33.	9310363	2001/11	इंडो जर्मन एग्रीकल्चरल स्पेयर एण्ड प्रेसिंग घर्की, जी.टी.रोड, समीप चाँद सिनेमा, लुधियाना 141 008	कृषि कारों में छिड़काव और ऐसे ही उष्णयोगों के लिए छोटे साइज के ट्यूर्क प्रज्वलन इंजनों की कार्यकारिता	07347 74

1	2	3	4	5	6
34.	9310464	2001/11	पार्वती बेवरेजिज, बड़खल एक्स्टें. बड़खल, फरीदाबाद 121 001	पैकेजबन्ड पेय जल (पैकेज बन्ड प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543 98
35.	9310565	2001/11	क्लासिक प्लाईबुड इंडस्ट्रीज, गाँव डामला रादौर रोड, यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईबुड	00303 89
36.	9310666	2001/11	क्लासिक प्लाईबुड इंडस्ट्रीज, गाँव डामला रादौर रोड, यमुनानगर	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
37.	9310767	2001/11	यूनाइटेड टिम्बर वर्क्स, गाँव पंसारा सहारनपुर रोड, यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईबुड	00303 89
38.	9310868	2001/11	सुपर ऐक्स- समीप-ऑक्स्ट्राय पोस्ट नं. 3, रादौर रोड, यमुनानगर	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
39.	9310969	2001/11	सुपर ऐक्स- समीप-ऑक्स्ट्राय पोस्ट नं. 3, रादौर रोड, यमुनानगर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईबुड	00303 89
40.	9311062	2001/11	दत्त मेडी प्रॉडक्ट्स लि., 53-54, रोज का मिओ इंडस्ट्रियल एरिया, सोहना गुडगाँव	हथकरघे की बनी अवशोषी अनिर्जिमिकृत सूती गाँज	00758 88
41.	9311163	2001/11	लक्ष्मी मेटल वर्क्स, जी-24 ए, इंडस्ट्रियल फोकल, प्लाइट जालंधर 144 004	सामान्य प्रयोजन के बाल बाल्च	09890 81
42.	9311264	2001/11	इसका कन्स्ट्रक्शन एण्ड इंजीनियर्स प्रा. लि. सी-2 चिन्हात इंडस्ट्रियल एरिया देवा रोड, लखनऊ	सीमेंट कंक्रीट की फर्श बिछाने वाली टाइलें	01237 80
43.	9311365	2001/11	सुरिन्दर इंजी. वर्क्स, धोबियाना रोड, भटिंडा 151 001	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	00694 90
44.	9311466	2001/11	हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग वर्क्स, 3124, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 2 चण्डीगढ़	खाली गर्म कस्ते के इन्स्टेंट हीटर	08978 92
45.	9311567	2001/11	जतिन्दर के. वायर्स (प्रा) लि., जी.टी. रोड, छानी पी ओ दमतल, एन्टुमीनियम के चालक तह. इंदूर जिला कांगडा 176 430	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जी.टी. रोड, छानी पी ओ दमतल, एन्टुमीनियम के चालक	00398 02 96
46.	9311668	2001/11	अल्ट्रा बेवरेजिज प्रा. लि., एफ सी-ए-229, माहना रोड, बल्लभगढ़ फरीदाबाद	पैकेजबन्ड पेय जल (पैकेज बन्ड प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543 98

1	2	3	4	5	6
47.	9311769	2001/11	अमित डेकोरेटिव प्लाईवुड, गाँव रामपुर चौओ खरखोदा औचन्दी बॉर्डर समीप सैयदपुर चौक, जिला सोनीपत	प्रतापगढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328 96
48.	9311870	2001/11	किटप्लाई इंडस्ट्रीज लि., शाहबाद रोड, रामपुर (उत्तर प्रदेश)	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (लैस कोर प्रकार) भाग 1 प्लाईवुड सतह युक्त पल्से	02202 01 99
49.	9311971	2001/11	राष्ट्रीय औद्योगिक संस्थान 9/99 जमुना ब्रिज स्टेशन रोड, आगरा 282 006	सामान्य प्रयोजनों (20 किलोवाट तक) के लिए एक समान गति वाले संपीड़न प्रबलित (डीजल) इंजनों हेतु कार्यकारिता संवर्धित अपेक्षाएँ	10001 81
50.	9312064	2001/11	स्टार हाइटेलिक्स सी-78 इंडस्ट्रियल एरिया फेस 6 सास नगर	द्रवधारित डोर क्लोजर	03564 95
51.	9312165	2001/12	महान फूडस लि., गाँव कुंजा रामपुर रोड पैंटा साहिब	मलाई युक्त दूध पाउडर	13334 01 98
52.	9312266	2001/11	एर्वोन साईकल्स लि., स्टील ट्रूब डिवीजन जी.टी. रोड, धनदारीकलां, लुधियाना	मृदु इस्पात की नालियाँ नालिकाकार सामग्रियाँ तथा पिटवाँ इस्पात की अन्य फिटिंग	01239 01 90
53.	9312367	2001/12	हिन्दुस्तान रबड़ इंडस्ट्रीज 19/2/1 (13-16) गाँव पाल्टी हथबाला रोड, समाल्खा-132101	द्रवित ऐटेलियम गैस के लिए रबड़ की अन्य नालियाँ	10908 91
54.	9312468	2001/11	साधना सीमेंट्स प्रा. लि. प्लॉट नं. 702 बारीली काकवन रोड, बिलहोर कानपुर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
55.	9312569	2001/11	मूनलाईट पेंट एण्ड एलाइड इंडस्ट्रीज रामपुरा रोड गाँव चित्तकलां जी.टी. रोड, अमृतसर-143 115	सड़कों पर निशान लगाने के लिए तैयार शुद्ध रोगन	00164 81
56.	9312670	2001/12	अमर ज्योति पाइप इंडस्ट्रीज भुजो कलां, भटिंडा	विद्युत संस्थापन के लिए कंडयूट भाग 3 कंडयूट विद्युतरोधक सामग्री के लिए दूढ़ सांद्र कंडयूट	09537 03 83
57.	9312771	2001/11	शिवास इंडस्ट्रीज जेयोगी मण्डी (हंदिरा मिल कम्पांड) आगरा	साफ ठंडे पानी के लिए मोनोसेट पर्प्प इंजन	11501 86

1	2	3	4	5	6
58.	9212872	2001/12	नील कण्ठ रबड़ मिल्स गाँव वरयाना कपूरथला रोड जालंधर	कन्वेयर और एसीवेटर बस्त्रादि पट्टे	01891 01 94
59.	9312973	2001/12	जय इंडस्ट्रीज अदडा सरौर बारी झाहम्मा जम्मू (जे एण्ड के)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
60.	9313066	2001/12	महिन्द्रा इलेक्ट्रोड्स भटिडा रोड, भुचो कलां जिला भटिडा 151 101	हस्तय धातु आर्क बेलिंग के लिए आवृत्त कार्बन और कार्बन मेंगनीज इस्पात इलैक्ट्रोड	00814 91
61.	9313167	2001/12	सेमाकेट इंडस्ट्रीज गाँव मुबारकपुर समीप पालर हाऊस, तहसील-राजपुरा जिला पटियाला	चकोरदार सीमेंट कंकरीट टाइले	13801 93
62.	6313268	2001/12	एपल वेल्डमेश इंडस्ट्रीज गाँव जटोली पीओ औचबाट जिला सोलन	जस्तीकृत इस्पात की श्रृंखलानुभा बाढ़ पर सगाने की जाली	02721 79
63.	6313369	2001/12	ए.एम. टैक्नोलॉजिस 206 इंडस्ट्रियल एरिया फेज 2 पंचकूला	लॉकर, बैडसाइड अस्पताल में उपयोग के लिए	04266 67
64.	9313470	2001/11	सत्यम इंटरप्राइजिज 200 ग्लोब कॉलोनी इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर 144 004	बिब टेप और रोक वालव	00781 84
65.	9313571	2001/12	बसन्त इंटरप्राइजिज प्लॉट नं. 26 गुरु नानक कॉम्प्लेक्स, बस्ती बाबा खेल कपूरथला रोड, जालंधर	घरेलू और समान प्रयोजन हेतु स्लिच	03854 97
66.	9313672	2002/01	लॉयल सेमिनेट्स प्रा. (इंडिया) एससीओ 34 सेक्टर 26-डी चण्डीगढ़	ब्लॉक बोर्ड	01659 90
67.	9313773	2002/10	वीनस स्टील इंडस्ट्रीज 144-145 उद्योग नगर, फोकल प्लाइट, जालंधर	धातुवर्ष्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
68.	9313874	2001/12	एशियन सीमेंट 12, इंडस्ट्रियल एरिया एक्सटेंशन कटुआ (जे एण्ड के)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112 89
69.	9313975	2001/12	कनोरिया केमीकल्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि., रेण्टूकूट जिला सोनभद्रा (उ.प्र.)	लिन्डेन पाठड़र	14833 2000
70.	9314068	2001/12	कनोरिया केमीकल्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि., रेण्टूकूट जिला सोनभद्रा (उ.प्र.)	लिन्डेन भुरकन पाठड़र	14834 2000

1	2	3	4	5	6	
71.	9314169	2002/01	कीर्ति स्पन पाइप वी-सिल्डीपुर समीप-हनुमान मंदिर मुण्डेला रोड, बहादुर गढ़, जिला झज्जर	पूर्वांदिलित कंकरीट पाइप	00458	88
72.	9314270	2002/01	रिलायबल इंडस्ट्रीज गाँव गदईपुर जालंधर	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिर्टिंग	01879	87
73.	9314371	2002/01	आस्को स्विचगियर्स प्रा. लि. पटेल नगर जालंधर रोड कपूरथला-144 601	विद्युत सहायकांग-धरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अति- धारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	08828	96
74.	9314472	2002/01	स्वाति स्टोरेक्स (प्रा.) लि., 44 और 45 इंड. एरिया, सेक्टर 1 परवानू	सिंचार्ह उपस्कर - सर्जक	13487	92
75.	9314573	2002/01	शिप स्विचगियर्स (इंडिया) लि. 23, बसंत नगर सीडल रोड, जालंधर-144 004	विद्युत सहायकांग-धरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	03828	96
76.	9314674	2002/01	काल्यानी केमटेक (इंडिया) गाँव कुराँवाला बरवाला रोड, डेराबस्सी जिला पटियाला	सजावटी थर्मोसेटिंग संशिलष्ट रेजिनबद्ध परतदार चादरें	02046	95
77.	9314775	2002/01	बॉमर लॉरी एण्ड कं. लि. मार्केटिंग काम्पलेक्स पीओ पानीपत रिफाइनरी गाँव बहोली पानीपत	बन्द सिरे वाले बड़े इम भाग 1 ग्रेड ए इम	0178301	93
78.	9314876	2002/01	असम बुड एण्ड एलाइंड प्राइवेट्स गाँव मकराबपुर पी ओ उद्यमगढ़ जगाधरी	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	03003	89
79.	9314977	2002/01	मेक्स स्विचगियर्स प्रा. लि., प्रद्वां किमी पठानकोट रोड जालंधर	विद्युत सहायकांग धरेलू और ऐसे ही संस्थापनों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	08828	96
80.	9315070	2002/01	चोपड़ा ब्रॉदर्स डी-60 स्पोर्ट्स एण्ड सर्जिकल गुड्स कॉम्पलेक्स, कपूरथला रोड जालंधर-144 021	जल कल प्रयोजन के लिए स्लूस वाल्व	14846	2000
81.	9315171	2001/12	अस्त्र लाइटिंग लि., बल्लोपुर हंडेसरा रोड, लालरू जिला पटियाला	उच्च दब्ब को सोडियम वायर लैम्प	09974	81
82.	9315272	2002/01	आकल एग्रीकल्चरल इंडस्ट्रीज, वाई पास लाल्बा पिंड, जालंधर	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिर्टिंग	01879	87

1	2	3	4	5	6
83.	9315373	2002/01	चड्हा इंडस्ट्रीज वीपीओ रणधावा मासन्दा एडज्योनिंग फोकल प्लाइंट जालंधर शहर	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
84.	9315373	2002/01	एवॉन साइकल्स लि., जी. टी. रोड, धनधारी कलां लुधियाना	बाइसिकिल और साइकिल रिक्षा के लिए इस्पात की नलिकाएं	02039 01 91
85.	9315575	2002/01	अम्बिका मैन्यूफैक्चरिंग गाँव गदईपुर, जालंधर शहर	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
86.	9315676	2002/01	नन्दा इंडस्ट्रीज, सी-१६ इंड. फोकल प्लाइंट जालंधर	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
87.	9315777	2002/01	हरिओम फर्टिलाइजर प्रा. लि., एफ-३० साइट नं. २ इंडस्ट्रियल ऐस्टेट, उन्नाव	जिंक सल्फेट हैप्टाहाइड्रेट कृषि ग्रेड	08249 94
88.	9315878	2002/01	प्राइम न्यूट्रीन्ट्स (प्रा.) लि., गाँव भाट्टियन बेट, जी टी रोड, लुधियाना	पैकेजबन्द पेय जल (पैकेज बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543 98
89.	9315979	2002/01	धौलाधार कंक्रीट वक्स वीपीओ सिद्धपुर सिद्धबारी तह: धर्मशाला, जिला काँगड़ा	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458 88
90.	9316072	2002/01	आर्टिफिशियल लिम्बस मैन्यू जी.टी. रोड रोड कानपुर-208016	बॉडी लेवल हीयरिंग एड	10775 84
91.	9316173	2002/01	गुरुवरण एक्सपोर्ट्स (इंडिया) इंडस्ट्रियल डब. कालोनी बाई पास जालंधर	इस्पात के कब्जे	01341 92
92.	9316274	2002/01	आस्को स्वचागियर्स प्रा.लि. पटेल नगर जालंधर रोड, कपूरथला	अल्प थोल्टता स्वचागियर	13947 03 93
93.	9316375	2002/01	जय किसान कंक्रीट पाइप उद्योग 7, भाटिया ब्राह्मण इटावा (यू.पी.)	पूर्व ढलित कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458 88
94.	9316476	2002/01	आर. वी. मेलिएबल्स बैक साइड फोकल प्लाइंट एक्सटेंशन गोदईपुर, जालंधर-144 004	धातुवर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	01879 87
95.	9316577	2002/02	डिस्ट्री इस्स (प्रा.) लि. मण्डापाण्डे, रामपुर रोड, मुरादाबाद-244 001	बन्द सिरे वाले बड़े ड्रम	01783 02 88

1	2	3	4	5	6
96.	9316678	2002/01	गुरु भानक पाइप इंडस्ट्रीज गाँव इस्लामाला, तह. फजिलका, मालआउट रोड, रक्का चाहलानवाला जिला फिरोजपुर	पूर्व ढलित कंपनीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	00458 88
97.	9316779	2002/01	करनाल मिल्क फूहस लि., 134 कि. मी. स्टेन जी. टी. रोड, दादुपुर करनाल 132 001	दूध पाउडर	01165 92
98.	9316880	2002/01	अनंतराज केबल इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि., प्लॉट नं. 57 और 58 फेस 1 एमआईई बहादुरगढ़ 124 507	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पॉलीइथाइलीन बिल्युतरोधी ताप स्थापी ढके केबल	0709801 88
99.	9316981	2003/01	सूर्या इंडस्ट्रीज 136-140/84, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1 चण्डीगढ़	वॉल्टर रंग के शुल्क डिस्ट्रीब्यूर	00427 65
100.	9317074	2002/01	जे एस इंडस्ट्रीज, एस-141 इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	घरेलू कार्यों के लिए स्विंग चैक रिप्लिक्स वाल्व	05312 01 84
101.	9317175	2002/02	यूनिवर्सल वूड स्टील इंडस्ट्रीज प्लॉट नं. सी-1 फेस 1 इंडस्ट्रियल एरिया सास नगर मोहाली	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303 89
102.	9317276	2002/01	सी. आर. औलक एण्ड संस लि., 426 इंडस्ट्रियल एरिया-ए लुधियाना	घरेलू सिलाई मशीन	01610 2000
103.	9317377	2002/01	सरप्रीत हाइड्रोलिक्स 573 इंडस्ट्रियल फोकल प्लाइंट फेस 9 सास नगर मोहाली	प्रवचालित डोर कलोजर	03564 95
104.	9317478	2002/01	मूनलाइट पैंट एण्ड एलाइट इंडस्ट्रीज रामपुरा रोड, गाँव चिट्ठी कलाँ जी.टी. रोड अमृतसर	सीमेंट रंग रोगन	05410 92
105.	9317579	2002/02	धीर दी हट्टी ज्वेलर्स (आर) धीर टॉवर गवर्नर, कॉलेज रोड सिविल लाइन्स लुधियाना	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहरांकन	01417 99
106.	9317680	2002/02	मैक्सीजे क्रैकर एस सी ओ 821 स्नैप्सी चिट्ठीगढ़ कालाका रोड, चिट्ठीगढ़	स्वर्ण सुबं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी शुद्धता सुबं मुहरांकन	01417 99
107.	9317781	2002/01	एचल जैसलमेर हंडस्ट्रीज, गाँव जटीला दी ओ ओच्चाट जिला झोलन 173 223	कंपनीए प्रवालन के लिए लक्षा कार्बिन इथात तार चालन	01566 82

1	2	3	4	5	6	7
108.	9317882	2002/01	एप्पल वेल्डमेश इंडस्ट्रीज, गौव जटोला फौ ओ आंचचाट जिला सोलन 173 223	सामान्य उपयोग के लिए वेल्डकृत इस्पात तार बस्त्र	04948	74
109.	9317983	2002/02	ओशो टूल्स (प्रा.) लि., गौव जंडीयाल चण्डीगढ़ रोड, लुधियाना	सम्मिक्र पात्रवं कटिंग फिलर	03650	81
110.	9318076	2002/02	अरिहंत प्लास्ट 58-बी इंडस्ट्रियल एरिया, मेहातपुर जिला उना	पानी के भण्डार हेतु प्लास्टिक टंकी	12701	96
111.	9318177	2002/02	एक्से एस्बेस्टोस पाइप्स प्रा. लि. अतुल कम्पाउंड ननहाई, आगरा	एस्बेस्टोस सीमेंट के दाव पाइप	01592	92
112.	9318278	2002/02	संजय इलैक्ट्रिकल्स प्रा. लि., 18, संतोखपुरा होशियारपुर रोड, जालंधर	बरेलू और समान कार्यों के के लिए सिवच	03854	97
113.	9318379	2002/02	श्री राम चूड इंडस्ट्रीज, समीप रेलवे क्रॉसिंग, वीपीओ चनसारा यमुनानगर 135 001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईचुड	00303	89
114.	9318480	2002/02	शिवम चूड इंडस्ट्रीज, राढ़ौर रोड, गौव जोरियान यमुनानगर 135 001	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
115.	9318581	2002/02	शिवम चूड इंडस्ट्रीज, राढ़ौर रोड, गौव जोरियान यमुनानगर 135 001	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईचुड	000303	89
116.	9318682	2002/02	अभित डेकोरेटिव प्लाईचुड गौव रामपुर फोस्ट खरखोदा, ओरंडी बॉर्डर समीप सैदपुर चौक जिला सोनीपत्ता	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (ठोस फौर प्रकार) भाग 1 प्लाईचुड सतह युक्त पल्ले	02202 01	99
117.	9318783	2002/02	वर्षमान इंडस्ट्रीज लि., जी. टी. रोड, गौव बेओप्रो शाहपुर राजपूरा जिला पटियाला	जस्तीकृत इस्पात की चारों	00277	92
118.	9318884	2002/02	अविनाश एजो प्रा. लि., गौव शाहपुर खाना से अम्लीह रोड, जिला फतेहगढ़ साहिब	ब्लॉक बोर्ड	01659	90
119.	9318985	2002/02	अविनाश एजो प्रा. लि., गौव शाहपुर खाना से अम्लीह रोड, जिला फतेहगढ़ साहिब	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईचुड	00303	89
120.	9319078	2002/02	अविनाश एजो प्रा. लि., गौव शाहपुर खाना से अम्लीह रोड जिला फतेहगढ़ साहिब	परतचड़ी सजावटी प्लाईचुड	01328	96

1	2	3	4	5	6	7
121. 9319179	2002/02	कृष्ण कौण्डा ब्रॉडसर्ट्स डी-60 एसएसजी काम्पलेक्टर्स कपूरथला रोड, जालंधर 144021	हैंडिकॉप और कार्यों के लिए स्विंग फेटलंड योजनाना सीमेंट सिल्क यूसनमार जीएमजे एसएसजी (प्रा.) लि. गाँव कामीमाजरा पीओ शादीपुर खजूरी लेन्ड, यमुनानगर 250001	05312	01552519 8684	
122. 9319280	2002/01	एशियन सीमेंट गाँव बाधोरी सितारगंज	फेटलंड योजनाना सीमेंट जाम्हारी	01489	01	91
123. 9319381	2002/02	जीएमजे एसएसजी (प्रा.) लि. गाँव कामीमाजरा पीओ शादीपुर खजूरी लेन्ड, यमुनानगर 250001	हैंडिकॉप और कार्यों के लिए स्विंग फेटलंड योजनाना सीमेंट जाम्हारी	01659	01659	90
124. 9319482	2002/02	ग्रैनटेक इंडिया लि. शोप्रीओ यूथेलाल जिल्हा यूथियाना	पशुओं के लिए मिश्रित आहार सीधे संचाकित तत्त्वों के साथ	02052	02052	79
125. 9319583	2002/02	अशोक इंटरनेशनल ई-84 साइट "सी" यूपीएसआईडीसी सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दरा, आगरा 282 007	हैंडिकॉप के स्वास्थ्य जूते प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल 100 २६१ प्राप्तिकाल	11226	11226	93
126. 9319684	2002/02	अशोक इंटरनेशनल ई-84 साइट "सी" यूपीएसआईडीसी सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दरा, आगरा 282 007	हैंडिकॉप सुखों बूट और साथी भागों के लिए सिकन्दरा इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दरा, आगरा 282 007	0030001989	01552564 8686	
127. 9319785	2002/02	होणा सोल पॉवर प्रॉडक्ट्स लि. कृष्ण लीमिटेड एम्प्रियाला वाया (प्रा) लि. क्रिक्टर 263148 सारां भारत इंडियन एसेस इम्प्रेस	पॉटेंटेलंड योजनाना सीमेंट कृष्ण लाजे मारी के मोनोसेट प्राप्तिकाल इलार्म के हंडबूट	11501	11501	86
128. 9319886	2002/02	मेट्रो सीमेंट्स आ. लि. रुक्मि किलोग्राम्बन्ड तहसील तावरुली इंडियन तहसील नूह गुडगाँव प्राप्तिकाल छाँग हांडि लि.	पॉटेंटेलंड योजनाना सीमेंट रुक्मि किलोग्राम्बन्ड तहसील तावरुली इंडियन तहसील नूह गुडगाँव प्राप्तिकाल छाँग हांडि लि	01489	01	91
129. 9319987	2002/02	पारुल फूइस स्पेशिएलिटीज (प्रा) लि. कॉम्पैक्ट 166-67 किमी स्टोन लाइटिंग इन्डस्ट्रीज खानपुर कोलियन जिला कुरुक्षेत्र 136 131	मैलाइ युक्त दूध पाठडर प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल	13334	13334	92
130. 9320063	2002/02	पारुल फूइस स्पेशिएलिटीज (प्रा) लि. किलोग्राम्बन्ड लाइटिंग खानपुर कोलियन जिला कुरुक्षेत्र 136 131	प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल प्राप्तिकाल इलार्म प्रिप्ल	01165	01165	92

1	2	3	4	5	6	7	8
142. 9321267	2002/03	महेश केरीकल एण्ड एलाइंड इंडस्ट्रीज, 24 इंड. एरिया-3 सिरसा	जिक सलैफेट हैपटाहाइड्रेट कृषि ग्रेड	08249		94	
143. 9321368	2002/02	दीप एक्सा प्रोसेसर्स शाहजहांपुर रोड, फरीदपुर, जिला बरेली	पैकेजबन्द धेय जल (पैकेज- बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543		98	
144. 9321469	2002/02	न्यू एज एक्सा प्रा. लि., बड़खल, फरीदाबाद-121 011	पैकेजबन्द धेय जल (पैकेज- बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543		98	
145. 9321570	2002/02	ओबेरोंय युड इंडस्ट्रीज, एम-15, इंडस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर-135 001	लकड़ी के सपाट दरवाजे के स्टार (ठोस कोर प्रकार) भाग 1 यार्ड्युड सतह तुक्त पत्ते	02202	01	99	
146. 9321671	2002/02	राजन स्टील, 21-22 इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेस 1, यमुनानगर-135 001	परतचड़ी सजावटी एर्लाइंड	01328		96	
147. 9321772	2002/02	नीलगिरि युड क्राफ्ट, गाँव जोरियां, रद्दौर रोड, यमुनानगर	परतचड़ी सजावटी एर्लाइंड	01328		96	
148. 9321873	2002/02	कर्मीर हाइब्रेनिक्स (प्रा.) लि., बीपीओ गोविन्दपुरा बीबीआरा रोड, समीप केनल रेस्ट हाउस, भट्टिया	पैकेजबन्द धेय जल (पैकेज- बन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543		98	
149. 9321974	2002/02	दुर्गा बैन्यूफेन्करिंग कं., 87/8, भग्नाना पूर्वी काल्पी रोड, समीप चरीबचीकी, कानपुर	पानी गर्व करने के भंडारण किस्म के हाईटर	02082		93	
150. 9322067	2002/03	दरबारी फ्लोरिंग टाइल्स, रोड नं. 68, फेस 2, मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज, इंडस्ट्रियल एस्टेट, तायरगंगा, इलाहाबाद	सीरेंट कंड्रोट की फर्म विकास वारी टाइल	01237		80	
151. 9322168	2002/02	दुर्गा इंटरप्राइविया, समीप सोल्टी गैस नूरपुर रावाली पठानकोट रोड, जालंधर	विसूत संस्थापन के लिए कंडयूट 09537 03 भाग 3 कंडयूट विसूतरोधक सामग्री के लिए दृढ़ सांद कंडयूट			83	
152. 9322269	2002/03	इंदर इंडस्ट्रीज, बस्ती नाड, इंदर नगर, जालंधर	पाइप रिच भाग 1 सामान्य प्रयोजन	04003	01	78	
153. 9322370	2002/03	इंदर इंडस्ट्रीज, बस्ती नाड, इंदर नगर, जालंधर	पाइप रिच भाग 2	04003	02	86	

1	2	3	4	5	6	7
154. 9322471	2002/03	सन स्टील फेब, पीओ गुटकर, जिला मंडी (हि.प्र.)	सिरोपरि पावर लाइंगों के लिए इस्पात के गोल खांभे	02713 01	80	
155. 9322572	2002/03	सन्त वार्ल्ड (प्रा) लि. जी.टी. रोड, जालंधर जालंधर-144 004	सामान्य प्रयोजन बाल वार्ल्ड	09890	81	
156. 9322673	2002/02	यश इंटरप्राइजिज, ई-124, साइट सी, सिकन्द्रा इंडस्ट्रियल एरिया, यूपीएस आईडीसी, आगरा-282 007	चमड़े के सुरक्षा बूट और जूते भाग 1 खानिकों के लिए	01989 01	86	
157. 9322774	2002/02	यश इंटरप्राइजिज ई-124, साइट सी, सिकन्द्रा इंडस्ट्रियल एरिया, यूपीएस आईडीसी, आगरा-282 007	सीधे संचकित तर्से के साथ चमड़े के सुरक्षा जूते	11226	93	
158. 9322875	2002/02	एस. एस. सेफ्टी प्रॉडक्ट्स, 126 बी, कॉ-आपरेटिव हॉट एस्टेट, दादा नगर, कानपुर	पांचांगुलि हेतु संरक्षी इस्पात टोपी	05852	96	
159. 9322976	2002/01	दि कामरूप इंडस्ट्रियल गैसेस लिमिटेड, डीजल लोकोमोटिव टाउनशिप, वाराणसी-221004	परेश बैक एरेस्टॉर	11006	84	
160. 9322069	2002/02	जयसवाल टाइल्स, जंगल बेंगाधव नं. 2, मोहरीपुर, गोरखपुर-273 007	सीमेंट कंक्रीट की फर्स बिकाने बाली टाइलें	01237	80	
161. 9323170	2002/02	डिसेन्ट इंटरनेशनल, सेल्स (इंडिया), भगत सिंह कालोनी, समीप- आर.जे. कोल्ड स्टोरेज, जालंधर-144008	बाल वार्ल्ड	09890	81	
162. 9323271	2002/03	आर. ए. सीमेंट प्रा लि., गाँव औहर, जिला फतेहपुर	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	08112	89	
163. 9323372	2002/03	इंडस्ट्रियल प्रोग्रेसिव (इंडिया) लि. गाँव अधवनपुर, जी.टी. रोड, तहसील पलवल, जिला फरीदाबाद	मलाई युक्त दूध फारडर	13334 02	92	
164. 9323473	2002/02	अग्रवाल टिप्पर प्रॉडक्ट्स, डब्ल्यू-9, इंडस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर-35 001	लकड़ी के सपाट दरवाजे के शटर (डोस कोर प्रकार)	02202	99	
165. 9323574	2002/03	अनुराग डेकोरेटिव्स, गाँव जोरियान, यमुनानगर-135 001	सामान्य प्रयोजन हेतु खाईवुड	00303	89	

1	2	3	4	5	6	7
166. 9323675	2002/03	अनुराग इंडस्ट्रीज, गाँव जोरियन, यमुनानगर 135 001	ब्लॉक बांड इंडिया प्रिंटिंग एंड प्रिसिंग लिमिटेड, इम्प्रिसिंग इंडस्ट्रीज (प्रिसिंग)	01659	1745600. 90	1745600. 90
167. 9323776	2002/03	आईकॉम वायस एंड केबल्स इंडस्ट्रीज, 27-ए, फोकल प्लाइट, राजपुरा 140 401	1100 वाल्ट तक की कॉम्पैक्ट वोल्टता हानि प्रौद्योगिकी संस्थान केबल, 400 441-प्रिसिंग	00894	5735600. 90	5735600. 90
168. 9323877	2002/03	सप्रोट सीपीट इंडस्ट्रीज, गाँव गदौन (सुनाम), जिला संग्राम	प्रिसिंग सीधराम पोटलेड सीमेट 08112 प्रिसिंग, प्राप्ति लाइसेंस 200 185-प्राप्ति प्रिसिंग	08112	89	
169. 9323978	2002/02	स्लालसन इंजो एंड सेल्स, 1052 आउटसोइड इंडस्ट्रीयल एरिया, जालंधर 144 004	जल कलाइज़ेशन हानि ग्रैंट, इलेक्ट्रिक्स कॉम्पैक्ट वाल्ट, प्रिसिंग, प्राप्ति लाइसेंस 200 185-प्राप्ति प्रिसिंग ब्लॉक बांड	00398	4755849. 62	4755849. 62
170. 9324071	2002/03	ग्रीन बेली प्लाइवुड लि., २७ किमी रुद्रगंग रोड, देहकोरा रेलवे स्टेशन रोड, गाँव रोहड, जिला झज्जर	प्रिसिंग इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, २४ एंड एलेक्ट्रिक्स-प्रिसिंग, १०० १८५-प्राप्ति प्रिसिंग ब्लॉक बांड	01659	3013005	3013005
171. 9324172	2002/03	यूनीक बुड इंडस्ट्रीज, गाँव जोरियन, यमुनानगर	प्राप्ति प्रिसिंग इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, १०० १८५-प्राप्ति प्रिसिंग सामान्य प्रयोजन हानि प्लाइवुड	01669	8285900. 22	8285900. 22
172. 9324273	2002/03	यूनीक बुड इंडस्ट्रीज, यमुना नगर 135 001	प्लाइवुड लाइसेंस १०० १८५-प्रिसिंग सामान्य प्रयोजन हानि प्लाइवुड	00303	9850000. 00	9850000. 00
173. 9324374	2002/02	एस.के. मेटल इंडस्ट्रीज (रजि), ई-60, इंडस्ट्रीयल हास्पिट, जालंधर 144 004	जल कलाइज़ेशन हानि ग्रैंट, ग्लोब और इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड (प्रिसिंग) प्रिसिंग	00778	1000000. 84	1000000. 84
174. 9324475	2002/02	इंडिया पेस्टीसाइडस लिमिटेड ई-17 से 23 यूपीएसडीआईसी इंडस्ट्रीयल एरिया, देवा रोड, निचनदाला, लखनऊ 220 002	लिंडन ब्युरोकॉर्पोरेशन, १०० १८५-प्रिसिंग इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, १०० १८५-प्रिसिंग	14834	2000	
175. 9324576	2002/03	भवानी इंटरप्राइजिज ओ-26, सल्ली मंडी के प्रीछे इंडस्ट्रीयल एरिया, यमुनानगर 135 001	प्रताच्छादा सजीवटी इलाइन्कुड लिमिटेड, इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड (प्रिसिंग) इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, १०० १८५-प्रिसिंग	01328	96	
176. 9324677	2002/02	सिरमौर एलाइड एंड केमीकल, इंडस्ट्रीज (प्रा) लि, गाँव सालालाला, कलापुर पीओ राजबन, पौंटा साहिब जिला सिरमौर	उत्तराखण्ड सामाजिक पोर्टलेन्ड सीमेट, इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, १०० १८५-प्रिसिंग	00269	1013000	1013000
177. 9324778	2002/03	डी डी एंग्री इंडस्ट्रीज लि., 29-सी किंचलू नगर लुधियाना 141 003	मनोज़िकृष्ण इलेक्ट्रिक्स लिमिटेड, जिक सल्केट हाईड्रेट, कृषि ग्रेड १०० १८५-प्राप्ति प्रिसिंग	08249	1745600. 94	1745600. 94

1	2	3	4	5	6	7
191. 9326176	2002/03	ए आर पोलिमर्स प्रा. लि., बी-29, इंडस्ट्रियल एरिया, मालवन फतेहपुर	सामान्य प्रयोजन हेतु प्लाईवुड	00303	89	
192. 9326277	2002/04	तायल ज्वेलर्स, लखदाता बाजार, जम्मू तकी 180 001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/शिल्पकारी सुदृढता एवं मुहरांकन	01417	99	
193. 9326378	2002/03	दि हनुमान विवर्स प्रॉडक्ट्स, कॉ—आप इंड. सोसायटी लि. पीओ दिल्ली रोड समीप सेक्टर 12, सोनीपत 131001	हथकरघे से बनी सूती अवशोषी निर्जीवित पट्टी	00758	88	
194. 9326479	2002/02	वेद प्रकाश मिश्रल एंड संस, डब्ल्यू-9, इंडस्ट्रियल एरिया यमुनानगर	परतचढ़ी सजावटी प्लाईवुड	01328	96	
195. 9326580	2002/03	मोहन फूडस लि., गाँव कुंजा रामपुर रोड, पॉटा साहिब	दूध पाठड़र	01165	92	
196. 9326681	2002/03	चावला फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर्स, अग्निशामक यंत्रों में प्रयोग के 2095 एम आई ई बहादुरगढ़।	लिए गैस कार्टिज	04947	85	
197. 9326782	2002/03	अनुपम होम एप्लायसेंस, गाँव खारी त्रिलोक पुर रोड, कला अम्ब नाहन, जिला सिरपौर	हरिकेन लालटेन	01238	85	
198. 9326883	2002/03	जे पी सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट, गाँव सादवा सुर्द परगाना अरायल, तहसील बारा, जिला इलाहाबाद	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट	01489 01	91	
199. 9326984	2002/04	जी. एस. एजेन्सी प्लौट नं. 46, इंड. एरिया, फेस-1, चण्डीगढ़ 160 001	पैकेजबन्द येय जल (पैकेजबन्द प्राकृतिक मिनरल जल के अलावा)	14543	98	
200. 9327077	2002/04	स्टैण्डर्ड इलैक्ट्रिकल्स, डी-116 फेस 7, इंडस्ट्रियल एरिया, मोहाली	विसृत सहायक अंग—चरेल और ऐसे ही संसाधनों के लिए अतिथारा संरक्षण हेतु परिपथ वियोजक	08828	96	

[सौमंडी-1/13:11]

एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 26th April, 2004

S. O. 1115.—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date (Year/Month)	Name & Address of the Party	Title of the Standards	IS No.	Part	Sec.	Year
1	2	3	4	5	6			
1.	9307172	2001/10	Bimal Aluminums Pvt. Ltd., 31-A Shiv Shankar Nagar behind Oriental Insurance Co., Court Road Jagadhri	Aluminium Utensils, Cooking Table, Serving Storing and Baking Untensiles	01660	01		82
2.	9307273	2001/10	Quality Pumps Pvt. Ltd., 1B/A Dada Nagar Kanpur	Deepwell, Handpump Components Mild Steel, Specification	14103			94
3.	9307374	2001/10	Sachdeva Metal Works, C-33 Ext. Focal Point Jalandhar	Sluice Valve for Water Works Purposes (50 to 1200 MM Size) Specification	14846			2000
4.	9307475	2001/10	Kashmir Steel Rolling Mills Sidco Lane No. 2 Industrial Complex Bari Brahma Jammu	Steel for General Structural Purposes Specification	02062			99
5.	9307576	2001/10	Lumbertech (P) Ltd., 57 Km Stone Delhi Rohtak Road, Vill., Ismaila Distt. : Rohtak	Plywood for General Purposes	00303			89
6.	9307677	2001/10	Lumbertech (P) Ltd., 57 Km Stone Delhi Rohtak Road, Vill., Ismaila Distt. : Rohtak	Block Boards	01659			90
7.	9307778	2001/10	Galxy Playwood Industries (P) Ltd. Vill., Kami Majra Khajuri Road, Yamunanagar	Marine Plywood	00710			76
8.	9307879	2001/10	Galxy Playwood Indst. (P) Ltd. Vill., Kami Majra Khajuri Road, Yamunanagar	Veneered Decorative Plywood	01328			96

1	2	3	4	5	6
9.	9307980	2001/10	GMG Plywood (P) Ltd., Vill., Kami Majra Khajuri Road, Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00300 89
10.	9308073	2001/11	Sard (P) Ltd., Plot No. 45, Sector 23, Faridabad	Portable Pneumatic Sanders 09828	96
11.	9308174	2001/10	Gobind Industries, Dashahara Bagh, Barabanki	Power Threshers	09020 79
12.	9308275	2001/11	Shiva Enterprises Shed No. 10 Citco Complex Hallomajra Chandigarh	Hydraulically Regulated Door Closers— Specification	03564 95
13.	9308376	2001/11	Shiva Shambhu Plywood (P) Ltd., VPO Buria Distt. : Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00303 89
14.	9308477	2001/11	Shiva Shambhu Plywood (P) Ltd. VPO Buria Distt. : Yamunanagar	Block Boards	01659 90
15.	9308578	2001/10	B.S. Steel Industries Subhash Nagar Indl. Area Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
16.	9308679	2001/10	Suneet Metallics Kandaghat Distt. : Solan	Galvanized Steel Barbed Wire	00278 78
17.	9308780	2001/10	Suneet Metallics Kandaghat Distt. : Solan	Galvanized Steel Chain Link Fence Fabric	02721 79
18.	9308881	2001/10	Leader Pumps & Motors, D-1/117, Sanjay Colony Sector 23, Faridabad	Pump Regenerative or Clear, Cold Water	08472 98
19.	9308982	2001/10	Apple Weldmesh Industries, Vill. Jatoli P O: Oachghat Distt. : Solan	Galvanized Steel Barbed Wire	00278 78
20.	9309075	2001/11	J.K. Toughened Glass Works (Regd.), Plot No. 27 Lamba Pind Chowk, Behind Chara Mandi, New Indl. Estate Jalandhar-144004	Safety Glass	02553 01 90
21.	9309176	2001/11	Bharat Organics, A-2/3 UPSIDC Industrial Area, Sandila Hardaoi	Gamma-BHC (Lindane) EC	00632 78
22.	9309277	2001/11	Bharat Organics, A-2/3 UPSIDC Industrial Area, Sandila Hardaoi (U.P.)	Chlorpyrifos EC	08944 78

1	2	3	4	5	6	
23.	9309378	2001/10	Anil Ply Board, Vill. Barnai Akhnoor Road, Jammu	Plywood for General Purposes	00303	89
24.	9309479	2001/11	Saro Plastics Pvt. Ltd., 9, Hal Ancillary Estate, Ismailganj, Faizabad Road, Lucknow	Packaged Drinking Water	14543	98
25.	9309580	2001/11	The Hanuman Weaver's Product Co-op. Indl. Society Ltd. Delhi, Road Near Sector 12 Sonepat-131001	Handloom Cotton Bandage	00863	88
26.	9309681	2001/11	SKN Industries Ltd., 21/18, 19, 22, 23, 28/4 NH-8 Jaipur-Highway Road, Vill. Malpura Dharuhera Distt. : Rewari	Welded Low Carbon Steel Cylinder exceeding 5 Litre Water Capacity for Low Pressure Liquefiable Gases	03196 01	92
27.	9309782	2001/10	Tempoon India, Plot No. 198, Sector 24, Faridabad	Electric Instantaneous Water Heaters	08978	92
28.	9309883	2001/11	Alfa Aqua Associates, 7/1 Industrial Area, Rudrapur Distt. : U.S. Nagar-263153	Packaged Natural Mineral Water	13428	98
29.	9309984	2001/11	Chattan Cement Industries, SICOP Industrial Area, Kathua (J&K)-184102	Portland Slag Cement	00455	89
30.	9310060	2001/11	Hindustan Plywood Industries, Khajuri Road, Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00303	89
31.	9310161	2001/11	M.K. Metal Industries F-1, Focal Point Extension Jalandhar	Domestic Pressure Cookers	02347	95
32.	9310262	2001/11	Nutricia India Pvt. Ltd., Dairy Complex Kasganj Road, Etah-207001	Milk Cereal based Weaning Foods	01656	97
33.	9310363	2001/11	Indo German Agricultural Sprayer & Pressing Works G.T. Road Near Chand Cinema, Ludhiana-141008	Performance of Small Size Spark	07347	74
34.	9310464	2001/11	Parvati Beverages Badkhal Extn. Badkhal, Faridabad-121001	Packaged Drinking Water	14543	98
35.	9310565	2001/11	Classic Plywood Industries, Vill., Damla Radaur Road, Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00303	89

1	2	3	4	5	6
36.	9310666	2001/11	Classic Plywood Industries, Vill. Damla Radaur Road, Yamunanagar	Block Boards	01659 90
37.	9310767	2001/11	United Timber Works Vill. Pansara Saharanpur Road, Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00303 89
38.	9310868	2001/11	Super Packers Near Octroi Post No. 3, Radaur Road, Yamunanagar	Block Boards	01659 90
39.	9310969	2001/11	Super Packers Near Octroi Post No. 3, Radaur Road, Yamunanagar	Plywood for General Purposes	00303 89
40.	9311062	2001/11	Datt Medi Products Ltd. 53-54, Roz Ka Meo Industrial Area, Sohna, Gurgaon	Handloom Cotton Gauze Absorbent, Non-Sterilized	00758 88
41.	9311163	2001/11	Lakshmi Metal Works C-24, A Industrial Focal Point, Jalandhar-144004	General Purposes Ball Valves	09890 81
42.	9311264	2001/11	Eksa Construction & Engineers Pvt. Ltd. G-2, Chinhat Industrial Area, Dewa Road, Lucknow	Cement Concrete Flooring Tiles	01237 80
43.	9311365	2001/11	Surinder Engg. Works Dhabiana Road, Bhatinda-151001	PVC Insulated Cables	00694 90
44.	9311466	2001/11	Hindustan Engineering Works, 3124, Industrial Area Phase II, Chandigarh	Electric Instantaneous Water Heaters	08978 92
45.	9311567	2001/11	Jatinder K. Wires (Pvt.) Ltd.G.T. Road Chhamni P.O. Damtal Teh. Jndora Distt : Kangra-176403	Alum. Conductors for Overhead Transmission Purposes	00398 02 96
46.	9311668	2001/11	Ultra Beverages Pvt. Ltd. FCA-229, Mahna Road, Ballabgarh, Faridabad	Packaged Drinking Water	14543 98
47.	9311769	2001/11	Amit Decorative Plywood Vill. Rampur P.O. Kharkhoda Auchandi Border Near, Saidpur Chowk Distt : Sonepat	Veneered Decorative Plywood	01328 96
48.	9311870	2001/11	Kitply Industries Ltd. Shahbad Road, Rampur (U.P.)	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99

1	2	3	4	5	6
49.	9311971	2001/11	Rastriya Audhoyogic Sansthan 9/99, Jamuna Bridge Station Road, Agra-282006	Constant Speed Compression Ignition (Diesel) Engines for General Purposes (Upto 20 kW)	10001 81
50.	9312064	2001/11	Star Hydraulics C-78, Industrial Area Phase-VI, Sas Nagar	Hydraulically Regulated Door Closers	03564 95
51.	9312165	2001/11	Mahan Foods Ltd. Vill. Kunja Rampur Road Poanta Sahib	Skimmed Milk Powder	13334 01 98
52.	9312266	2001/11	Avon Cycles Ltd. Steel Tube Division G.T. Road Dhandari Kalan Ludhiana	Mild Steel Tubes, Tubulars	01239 01 90
53.	9312367	2001/12	Hindustan Rubber Industries 19/2/1(13-16) Vill. Pawty Hathwala Road, Samalkha (HR)-132101	Flexible Rubber Tubing	10908 91
54.	9312468	2001/11	Sadhna Cements Pvt. Ltd. Plot No. 1702 Barauli Kakawan Road, Bihaur, Kanpur	43 Grade OPC	08112 89
55.	9312569	2001/11	Moonlight Paint & Allied Industries Rampura Road, Vill. Chitta Kalan G.T. Road, Amritsar-143115	Ready Mixed Paint for Road Marking	00164 81
56.	9312670	2001/12	Amar Jyoti Pipe Industries Bhuco Kalan Bhatinda	Conduit for Electrical Installations	09537 03 83
57.	9312771	2001/11	Shivas Industries Jeoni Mandi (Indra Mill Compound) Agra	Engine Monoset Pump	11501 86
58.	9312872	2001/12	Neel Kanth Rubber Mills Vill. Varyana Kapurthala Road, Jalandhar	Conveyor and Elevator Textiles	01891 01 94
59.	9312973	2001/12	Jai Industries Adda Sarore Bari Brahma Jammu (J&K)	43 Grade OPC	08112 89
60.	9313066	2001/12	Mahindra Electrodes Bathinda Road Bhuco Kalan Distt : Bhatinda 151101	Covered Electrodes for Manual	00814 91
61.	9313167	2001/12	Cemocrete Industries Vill., Mubarikpur Near Power House Teh. Rajpura Distt : Patiala	Chequered Cement Concrete Tiles	13801 93
62.	9313268	2001/12	Apple Weldmesh Industries Vill. Jatoli PO Oachghat Distt : Solan	Galvanized Steel Chain Link Fen	02721 97

1	2	3	4	5	6	
63.	9313369	2001/12	A. M. Tehchnologies 206 Industrial Area Phase II Panchkula	Locker, Bedside for Hospital Use	04266	67
64.	9313470	2001/11	Satyam Enterprises 200 Globe Colony Industrial Area Jalandhar-144004	Bib Taps and stop Valves	00781	84
65.	9313571	2001/12	Basant Enterprises Plot No. 26 Guru Nanak Complex Basti Bawa Khel Kapurthala Road Jalandhar	Switches for Domestic and Similar Purposes	03854	97
66.	9313672	2002/01	Loyal Laminates (P) Ltd. Sco. 34 Sector 26-D, Chandigarh	Block Boards	01659	90
67.	9313773	2001/10	Venus Steel Industries 144-145, Udyog Nagar Behind Focal Point Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
68.	9313874	2001/12	Asian Cement 12, Industrial Area Extension Kathua (J&K)-184102	43 Grade OPC	08112	89
69.	9313975	2001/12	Kanoria Chemicals & Industries Ltd. Renukoot Distt : Sonebhadra (UP)	Lindane Wettable Powder	14833	2000
70.	9314068	2001/12	Kanoria Chemicals & Industries Ltd. Renukoot Distt : Sonebhadra (UP)-231217	Lindane Dusting Powder	14834	2000
71.	9314169	2001/01	Kirti Spun Pipes V-Sidipur Near Hanuman Mandir Mundela Road Bahadurgarh Distt : Jhajjar	Precast Concrete Pipes	00458	88
72.	9314270	2001/01	Reliable Industries Vill. Gadaipur Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879	87
73.	9314371	2001/01	Asco Swithgears Pvt. Ltd. Patel Nagar Jalandhar Road Kapurthala-144601	Electrical Accessories- Circuit	08828	96
74.	9314472	2001/01	Swati Storwel, (Pvt) Ltd. 44 and 45 Indl. Area Sector 1 Parwanoo	Irrigation Equipment- Emitters	13487	92
75.	9314573	2001/01	Ship Switchgears (India) 23 Basant Nagar Sodal Road Jalandhar-144004	Electrical Accessories- Circuit	08828	96
76.	9314674	2001/01	Katyana Chemtech (India) Ltd. Vill. Kuranwala Barwala Road Derabassi Distt: Patiala	Decorative Thermosetting Synthetic Resin Bonded Laminated	02046	95

1	2	3	4	5	6
77.	9314775	2001/01	Balmer Lawrie & Co. Ltd. Marketing Complex PO Panipat Refinery Vill. Baholi Panipat	Drums, Large Fixed Ends	01783 01 93
78.	9314876	2001/01	Assam Wood and Allied Products Vill. Mukarabpur PO Udhampur Jagadhri	Plywood for General Purposes	00303 89
79.	9314977	2001/01	Max Switchgears Pvt. Ltd. 9th KM Pathankot Road Jalandhar	Electrical, Accessories- Circuit	08828 96
80.	9315070	2002/01	Chopra Brothers D-60 Sports & Surgical Goods Complex Kapurthala Road Jalandhar-144021	Sluice Valves for Water Works Purposes	14846 2000
81.	9315171	2001/12	Astra Lighting Ltd. Ballopur Handesra Road Lalru, Distt : Patiala	Sodium Vapour Lamp	009974 01 81
82.	9315272	2002/01	Akal Agricultural Indst. Bye Pass Lamba Pind, Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
83.	9315373	2002/01	Chadha Industries VPO Randhawa Masanda Adjoining Focal Point, Jalandhar City	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
84.	9315474	2002/01	Avon Cycles Ltd. G.T. Road, Dhandari Kalan, Ludhiana	Steel Tubes for Bicycle and Cycle	02039 01 91
85.	9315575	2002/01	Ambika Manufacturing Vill. Gadaipur, Jalandhar City	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
86.	9315676	2002/01	Nanda Industries C-16, Indl. Focal Point, Jalandhar	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
87.	9315777	2002/01	Hariom Fertilizer Pvt. Ltd. F-30, Site No. 2 Industrial Estate, Unnao	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri.	08249 94
88.	9315878	2002/01	Prime Nutrientgs (P) Ltd., Vill. Bhattian Bet G.T. Road, Ludhiana	Packaged Drinking Water	14543 98
89.	9315979	2002/01	Dhauladhar Concrete Works VPO Sidhpur Sidhpuri, Teh. Dharamshala, Distt. Kangra	Precast Concrete Pipes	00458 88
90.	9316072	2002/01	Artificial Limbs Mfg. G.T. Road, Kanpur-208016	Body Level Hearing Aids	10775 84
91.	93161673	2002/01	Gurcharan Exports (India) Industrial, Dev, Colony, Bye Pass Jalandhar	Steel Butt Hinges	01341 92

1	2	3	4	5	6
92.	9316274	2002/01	Asco Switchgears Pvt. Ltd., Patel Nagar, Jalandhar Road Kapurthala	Low-Voltage Switchgear	13947 03 93
93.	9316375	2002/01	Jai Kisan Concrete Pipe Uduog, 7, Ghatia Brahmaan Etawah (UP)	Precast Concrete Pipes	00458 88
94.	9316476	2002/01	R. V. Malleables Back Side Focal Point Extn. Godeipur, Jalandhar-144004	Malleable Cast Iron Pipe Fittings	01879 87
95.	9316577	2002/02	Dipty Drums (Pvt.) Ltd. Munda Pandey, Rampur Road, Moradabad-244001	Drums, Large Fixed Ends	01783 02 88
96.	9316678	2002/01	Guru Nanak Pipe Industries Village Islamwala, Teh. Fazilka, Malout Road, Rakba, Chahlanwala, Distt. Ferozepur	Precast Concrete Pipes	00458 88
97.	9316779	2002/01	Karnal Milk Foods Ltd., 134 K.M. Stone G. T. Road, Dadupur, Karnal-132001	Milk Powder	01165 92
98.	9316880	2002/01	Anraj Cable Industries (p) Ltd., Plot No. 57 and 58 Phase 1 Mie Bahadurgarh-124507	Crosslinked Polyethylene Insulated PVC Sheathed Cables	07098 01 88
99.	9316981	2002/01	Surya Industries 136-140/84, Industrial Area, Phase-1, Chandigarh	Distemper Dry Colour as Rfq.	00427 65
100.	9317074	2002/01	Jay Ess Industries S-141, Industrial Area, Jalandhar	Swing Check Type Reflux Valves	05312 01 84
101.	9317175	2002/02	Universal Wood Steel Industries Plot No. C-1, Phase-1, Industrial Area, Sas Nagar, Mohali	Plywood for General Purposes	00303 89
102.	9317175	2002/01	C. R. Auluck and Sons Ltd. 426, Industrial Area-A, Ludhiana	Household Sewing Machines	01610 2000
103.	9317377	2002/01	Sarpreet Hydraulics 573, Industrial Focal Point, Phase-IX, Sas Nagar, Mohali	Hydraulically Regulated Door, Closers	03564 95
104.	9317478	2002/01	Moonlight Paint & Allied Industries, Rampura Road, Vill. Chitta Kalan, G. T. Road, Amritsar	Cement Paint	05410 92
105.	9317579	2002/02	Dhir Di Hatti Jewellers (R) Dhir Tower, Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts Finess and Marking	01417 99
106.	9317680	2002/02	M/s Zever SCO. 821, Nae Chandigarh Kalka Road, Chandigarh	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts Finess and Marking	01417 99

1	2	3	4	5	6
107. 9317781	2002/01	Apple Weldmesh Industries Vill. Jatoli, P.O. Oachghat, Distt. Solan-173223	HARDC Drawn Steel Wire Fabric 01566		82
108. 9317882	2002/01	Apple Weldmesh Industries Vill. Jatoli, P.O. Oachghat, Distt. Solan-173223	Welded Steel Wire Fabric for General use 04948		74
109. 9317983	2002/02	Osho Tools (P) Ltd., Vill. Jandial, Chandigarh Road, Ludhiana	Combination side Cutting Pillers 03650		81
110. 9318076	2002/02	Arihant Plast 58-B, Industrial Area, Mehatpur, Distt. Una	Polyrthylene Water Storage Tank 12791		96
111. 9318177	2002/02	ACME Asbestos Pipes Pvt. Ltd., Atul Compound Nunhai Agra	Asbestos Cement Pressure Pipes 01592		89
112. 9318278	2002/02	Sanjay Electricals Pvt. 18, Santokhpura Hoshiarpura Road, Jalandhar	Switches for Domestic and similar purposes 00854		97
113. 9318379	2002/02	Shree Ram Wood Industries Near Railway Crossing VPO Pansara, Yamunanagar-135001	Plywood for General purposes 00303		89
114. 9318480	2002/02	Shivam Wood Industries Radaur Road, Vill. Jorian, Yamunanagar-135001	Block Boards 01659		90
115. 9318581	2002/02	Shivam Wood Industries Radaur Road, Vill. Jorian, Yamunanagar-135001	Plywood for General purposes 00303		89
116. 9318682	2002/02	Amit Decorative Plywood Vill. Rampur, Post Kharkhoda, Auchandi Border, Near Saidpur Chowk, Distt. Sonepat	Wooden Flush Door Shutters 02202 01		99
117. 9318783	2002/02	Vardhman Industries Ltd., G. T. Road, Vill. Beopror, Shambhu Rajpura, Distt. Patiala	Galvanised Steel Sheets 00277		92
118. 9318884	2002/02	Avinash Agro Pvt. Ltd. Vill. Shahpur, Khanna to Amloh Road, Distt. Fatehgarh, Sahib	Block Boards 01659		90
119. 9318985	2002/02	Avinash Agro Pvt. Ltd. Vill. Shahpur Khanna to Amloh Road, Distt. Fatehgarh Sahib	Plywood for General Purpose 00303		89
120. 9319078	2002/02	Avinash Agro Pvt. Ltd., Vill. Shahpur Khanna to Amloh Road, Distt. Fatehgarh Sahib	Veneered Decorative Plywood 01328		96

1	2	3	4	5	6
121.	9319179	2002/02	Chopra Brothers D-60, SSG Complex, Kapurthala Road, Jalandhar-144021	Swing Check Type Reflux Valves	05312 01 84
122.	9319280	2002/01	Asian Cement Vill. Baghori, Sitarganj, Distt. U.S. Nagar	Portland Pozzolana Cement	01489 01 91
123.	9319381	2002/02	GMG Plywood (P) Ltd., Vill. Kami Majra, P.O. Shadipur, Khajuri Road, Yamunanagar-135001	Block Boards	01659 90
124.	9319482	2002/02	Graintec India Ltd. V.P.O. Budhewal, Distt. Ludhiana	Compound Feed for Cattle	02052 79
125.	9319583	2002/02	Ashoka International E-84, Site 'C' UPSIDC Sikandara Industrial Area, Sikandara, Agra-282007	Leather Safety Footwear Having	11226 93
126.	9319684	2002/02	Ashoka International E-84, Site 'C', UPSIDC, Sikandara Industrial Area, Sikandara, Agra-282007	Leather Safety Boots and Shoes	01989 01 86
127.	9319785	2002/02	Honda Siel Power Products Limited V.P.O. Bhigwara, Via-Kichha-263148, Rudrapur, Distt. U.S. Nagar	Engine Monoset Pump	11501 86
128.	9319886	2002/02	Metro Cements Pvt. Ltd. Vill. Bawla, Sub Tehsil Tawroo, Tehsil Nuh, Gurgaon	Portland Pozzolana Cement	01489 01 91
129.	9319987	2002/02	Parul Foods Specialities (P) Ltd. 166-67, Km Stone G.R. Road, Khanpur Kolian, Distt. Kurukshetra-136131	Skimmed Milk Powder	13334 01 92
130.	9320063	2002/02	Parul Food Specialities (P) Ltd. 166-67, Km Stone G.R. Road, Khanpur Kolian, Distt. Kurukshetra-136131	Milk Powder	01165 92
131.	9320164	2002/02	Shree Guru Nanak Pipe Gram Udyog Mandal, Vill. Sakta Khera, Teh. Mandi, Dabwali, Sirsa (HR)	Precast Concrete Pipes	00458 88
132.	9320265	2002/02	Alakhnanda Plywood Industries (P) Ltd. Vill. Ram Vihar Colony, Khajuri Road, Yamunanagar-135001	Veneered Decorative Plywood	01328 96
133.	9320366	2002/02	Mangla Enterprises 260, Idr. Area, Phase IX, Mohali	Packaged Drinking Water	14543 98

1	2	3	4	5	6
134.	9320467	2002/01	Moonlight Paint & Allied Industries Rampura Road, Vill. Chitta Kalan, Amritsar	Distemper Dry Colour as Req.	00427 65
135.	9320568	2002/02	Shiva Ganga Natural Mineral Water Co. 124, Focal Point, Batala-143505	Packaged Drinking Water	14543 98
136.	9320669	2002/02	Bhiwani Enterprises O-26, Behind Subzi Mandi, Industrial Area, Yamunanagar-135001	Plywood for General Purpose	00303 89
137.	9320770	2002/02	Vikram Bathinda Cement Grinding Unit, Vill. Lehra Mohabat, P.O. Rampura, Phul Bathinda-151111	43 Grade OPC	08112 89
138.	9320871	2002/02	Vikram Bathinda Cement Grinding Unit, Lehra Mohabat, Teh. Rampura, Phul Distt. Bathinda-	Portland Pozzolana Cement	01489 01 91
139.	9320972	2002/02	Swastik Pipes Ltd. Vill. Kotwan, Kosikalan Mile Stone, 97, NH-2, Delhi Mathura Road, Teh. Chatta, Mathura-	Steel Pipe for water & Sewage	03589 2001
140.	9321065	2002/02	Radical Instruments 123, Industrial Estate, Ambala Cantt-133006	Binocular Eyepieces for Microscope	08275 76
141.	9321166	2002/02	Radical Instruments 123, Industrial Estate, Ambala Cantt-133006	Student Type Microscope	03685 66
142.	9321267	2002/03	Mahesh Chemical and Allied Industries 24, Indl. Area-III, Sirsa-	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agra	08249 94
143.	9321368	2002/02	Deep Aqua Processors Shahjahanpur Road, Faridpjur, Distt. Bareilly-	Packaged Drinking Water	14543 98
144.	9321469	2002/02	New Age Aqua Pvt. Ltd. Budkhali, Faridabad-121011	Packaged Drinking Water	14543 98
145.	9321570	2002/02	Oberoi Wood Industries M-15, Industrial Area, Yamunanagar-135001	Wooden Flush Door Shutters	02202 01 99
146.	9321671	2002/02	Rajan Steel 21-22 Industrial Estate, Phase-1, Yamunanagar-135001	Veneered Decorative Plywood	01328 96

1	2	3	4	5	6
147.	9321772	2002/02	Neelgiri Wood Crafts Vill. Jorian Radaur Road, Yamunanagar-	Veneered Decorative Plywood	01328 96
148.	9321873	2002/02	Kashmir Hygenics (P.) Ltd. VPO Gobindpura, Bibiwala Road, Near Canal Rest House, Bathinda-	Packaged Drinking Water	14543 98
149.	9321974	2002/02	Durga Manufacturing Co. 87/8, Bhannana Purwa, Kalpi Road, Near Jaribchowki, Kanpur	Stationary Storage Ele. Water Heaters	02082 93
150.	9322067	2002/03	Darbari Flooring Tiles Shed No. 68, Phase II, Motilal Nehru Engg. College, Industrial Estate, Taiarganj, Allahabad-	Cement Concrete Flooring Tiles	01237 80
151.	9322168	2002/02	Durga Enterprises Near Sobti Gas, Nurpur Raowali, Pathankot Road, Jalandhar-	Conduit for Electrical Installations	09537 03 83
152.	9322269	2002/03	Inder Industries Basti Nau Inder Nagar, Jalandhar-	Pipe Wrenches	04003 01 78
153.	9322370	2002/03	Inder Industries Basti Nau Inder Nagar, Jalandhar-	Pipe Wrenches	04003 02 86
154.	9322471	2002/03	Sun Steel FAB P.O. Gutkar, Distt. Mandi (HP)	Tubular Steel Poles for Overhea	02713 01 80
155.	9322572	2002/03	Sant Valves (P.) Ltd. G.T. Road By Pass, Jalandhar-144004	General Purpose Ball Valves	09890 81
156.	9322673	2002/02	Yash Enterprises E-124, Site C, Sikandra Industrial Area, UPSIDC, Agra-282007	Leather Safety Boots and Shoes	01989 01 86
157.	9322774	2002/02	Yash Enterprises E-124, Site C, Sikandra Industrial Area, UPSIDC Sikandra, Agra-282007	Leather Safety Footwear having	11226 93
158.	9322875	2002/02	S.S. Safety Products 126 B, Cooperative, Indl. Estate, Dada Nagar, Kanpur.	Protective Steel Toe CAP	05852 96

1	2	3	4	5	6	7	8	9
159.	9322976	2002/01	The Kamrup Industrial Gases Limited, Diesel Locomotive Township, Varanasi-221004	Flash Back Arrestor	11006		84	
160.	9323069	2002/02	Jaiswal Tiles Jungle Benimadhav No. 2, Moharipur, Gorakhpur-273007	Cement-Concrete Flooring Tiles	01237		80	
161.	9323170	2002/02	Decent International Sales (India) Bhagat Singh Colony, Near R.J. Cold Storage, Jalandhar-144008	Ball Valves	09890		81	
162.	9323271	2002/03	R.A. Cements Pvt. Ltd. Vill. Mauhar, Distt. : Fatehpur	43 Grade OPC	08112		89	
163.	9323372	2002/03	Industrial Progressive (India) Ltd. Vill. Aghwanpur, G.T. Road, Teh. Palwal, Distt. : Faridabad	Skimmed Milk Powder	13334	02	92	
164.	9323473	2002/02	Aggarwal Timber Products W-9, Industrial Area, Yamunanagar-135001	Wooden Flush Door Shutters	02202		99	
165.	9323574	2002/03	Anurag Decoratives Vill. Jorian, Yamunanagar-135001	Plywood for General Purposes	00303		89	
166.	9323675	2002/03	Anurag Decoratives Vill. Jorian, Yamunanagar-135001	Block Boards	01659		90	
167.	9323776	2002/03	Aicon Wires and Cables Industries, 27-A, Focal Point, Rajpura-140401	PVC Insulated Cables	00694		90	
168.	9323877	2002/03	Samrat Cement Industries Vill. Ganduan (Sunam) Distt. Sangrur	43 Grade OPC	08112		89	
169.	9323978	2002/02	Lalson Engg. Works 1052, Outside Industrial Area, Jalandhar-144004	Copper Alloy Gate Globe and Check Valves for Waterworks Purposes	00778		84	
170.	9324071	2002/03	Green Valley Plywood Ltd. 29 Km. Stone, Rohtak Dehkora Railway Stn. Rd., Vill. Rohad, Distt. Jhajjar	Block Boards	01659		90	
171.	9324172	2002/03	Unique Wood Industries Vill. Jorian, Yamunanagar	Block Boards	01659		90	
172.	9324273	2002/03	Unique Wood Industries Vill. Jorian, Radaur Road, Yamunanagar-135001	Plywood for General Purposes	00303		89	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
173.	9324374	2002/02	S.K. Metal Industries (Regd.), E-60, Industrial Area, Jalandhar-144004	Copper Alloy Gate Globe and Check Valves for Waterworks Purposes	00778		84	
174.	9324475	2002/02	India Pesticides Limited E-17 to 23, UPSDIC Industrial Area, Deva Road Chinhat, Lucknow	Lindane Dusting Powder	14834		2000	
175.	9324576	2002/03	Bhawani Enterprises O-26, Behind Subzi Mandi, Industrial Area, Yamunanagar-135001	Veneered Decorative Plywood	01328		96	
176.	9324677	2002/02	Sirmur Allied and Chemical Industries (P) Ltd. Vill. Muglanwala Kartarpur, P.O. Rajban Poanta Sahib, Distt. Sirmur	OPC 33 Grade	00269		89	
177.	9324778	2002/03	D.D. Agro Industries Ltd. 29-C, Kitchlu Nagar, Ludhiana-141003	Zinc Sulphate Heptahydrate, Agri.	08249		94	
178.	9324879	2002/03	Jannu Chemicals Plot No. 3431, Near Sanjay Park, Gohana Road, Panipat-132103	Disinfectant Fluids, Phenolic Type	01061		97	
179.	9324980	2002/03	Malwa Fasteners (P) Ltd. 63, Industrial Area, Sector-1, Parwanoo	Irrigation Equipment Sprinkler	14151	02	99	
180.	9325073	2002/02	Dinol Chemical Works, Arazi No. 5/1, Mauza Maduadih, Varanasi	Disinfectant Fluids, Phenolic Type	01061		97	
181.	9325174	2002/03	Pangli Cement Co. (P) Vill. Gaonsgarh Rohon Rd., Ludhiana	Portland Pozzolana Cement	01489	01	91	
182.	9325275	2002/03	Associated Minerals 43, Industrial Colony Naini, Allahabad	Packaged Drinking Water	14543		98	
183.	9325376	2002/03	Swastik Pipe Ltd. Vill. Kotwan Kosikalan Mile Stone 97, NH 2, Delhi Mathura Road, Distt. Mathura	Mild Steel Tubes, Tubulars	01239		90	
184.	9325477	2002/02	Sharda Metals E-27, Focal Point Extn., Jalandhar	Copper Alloy Gate Globe and Check Valves for Waterworks Purposes	00778		84	
185.	9325578	2002/03	Una Spun Pipe (P) Ltd. Plot No. 9, Industrial Area, Vill. Tahliwal, Distt. Una (H.P.)	Precast Concrete Pipes	00458		88	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
186.	9325679	2002/03	Rajdeep Business Combine 3G, N.I.T. Faridabad	Single Phase Small AC	00996		79	
187.	9325780	2002/03	Rajdeep Business Combine 3G/193, N.I.T., Faridabad	Pumpset for Desert Coolers	11951		87	
188.	9325881	2002/04	Shiva Udyog Shiv Vihar, Sonepat Road, Sampla, Distt. Rohtak	Drums, Large Fixed Ends	01783 02		88	
189.	9325982	2002/03	Bareilly Plywood Industries Pvt. Ltd. Vill. Panch Deoria, PO Bhojipura, Bareilly	Block Boards	01659		90	
190.	9326075	2002/03	Bareilly Plywood Industries Pvt. Ltd. Vill. Panch Deoria, Nainital Road, Bhojipura, Distt. Bareilly	Plywood for General Purposes	00303		89	
191.	9326176	2002/03	A.R. Polymers Pvt. Ltd. B-29, Industrial Area, Malwan, Fatehpur	Plywood for General Purposes	00303		89	
192.	9326277	2002/04	Taila Jewellers Lakhdata Bazar, Jammu Tawi-180001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artifacts- Finess and Marking	01417		99	
193.	9326378	2002/03	The Hanuman Weavers Product Coop. Indl. Society Ltd. P.O. Delhi Road, Near Sector 12, Sonepat-131001	Handloom Cotton Gauze Absorbent, Non-sterilized	00758		88	
194.	9326479	2002/02	Ved Parkash Mittal and Sons W-9, Industrial Area, Yamunanagar	Veneered Decorative Plywood	01328		96	
195.	9326580	2002/03	Mahan Foods Ltd. Vill. Kunja Rampur Road, Poanta Sahib	Milk Powder	01165		92	
196.	9326681	2002/03	Chawla Fire Protection Engineers 2095 MIE, Bahadurgarh	Gas Cartridges for use in Fire	04947		85	
197.	9326782	2002/03	Anupam Home Appliances Vill. Kheri, Trilok Pur Road, Kala Amb, Nahan, Distt. Sirmour	Hurricane Lanterns	01238		85	
198.	9326883	2002/03	Jaypee Cement Grinding Unit Vill. Sadva Khurd, Pargana Arai, Tehsil Bara, Distt. Allahabad	Portland Pozzolana Cement	01489 01		91	
199.	9326984	2002/04	G.S. Agencies Plot No. 46, Indl. Area, Phase 1, Chandigarh-160001	Packaged Drinking Water	14543		98	
200.	9327077	2002/04	Standard Electricals D-116, Phase VII, Industrial Area, Mohali	Electrical Accessories Circuit	08828		96	

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का० आ० 1116.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैं कम्प्युनिटी बायो गैस प्रोजेक्ट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 75 एवं 76/91) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/190/90-आईआर (डीयू);

एल-42012/189/90-आईआर (डीयू)]

कुलदीप राय दर्मा, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

* New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1116.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 75 & 76/91) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employer in relation to the management of M/s. Community Bio Gas Project and their workman, which was received by the Central Government on 12-4-2004.

[No. L-42012/190/90-IR(DU);

L-42012/189/90-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
NEW DELHI

PRESIDING OFFICER

SHRI B.N. PANDEY

LD. NO. 75/91

Shri Ram Avtar S/o Shri Ram Asrey,
R/o Village Sant Ka Purva,
Post Rukunpur, Bara Post Samrota,
Distt. Rai Bareilly (UP) and at Present
at Delhi through
Rajdhani Karamchari Union (Regd.),
Opposite Kalkaji, New Delhi. —Workman

Versus

Director,
M/s. Community Bio Gas Project,
Khadi & Village Industries,
Masood Pur, New Delhi. —Management

AND

LD. NO. 76/91

Shri Tilak Ram Tiwari,
S/o Shri Shyam Narain Tiwari,
Village Harchandpur,
Now 296, Dhaka Johar, Mukherji Nagar,
Delhi through
Rajdhani Karamchari Union (Regd.),
Opposite Kalkaji Bus Stop,
Giri Nagar, New Delhi-110019

—Workman

Versus

Director,
M/s. Community Bio Gas Project,
Khadi & Village Industries,
Masood Pur, New Delhi.

—Management

AWARD

In I.D. No. 75/91 the Central Government in its Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/190/90-IR (DU) dated 13-6-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal/Court for adjudication :—

“Whether the action of the management of M/s. Community Bio Gas Project Khadi and Village Industries, Masoodpur, New Delhi in terminating the services of Shri Ram Avtar w.e.f. 4-10-89 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

AND

In I.D. No. 76/91 the Central Government in its Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/189/90-IR (DU) dated 13-6-91 has referred the following industrial dispute to this Tribunal/Court for adjudication :—

“Whether the action of the management of M/s. Community Bio Gas Project Khadi and Village Industries, Masoodpur, New Delhi in terminating the services of Shri Tilak Ram Tiwari w.e.f. 2-3-90 is justified? If not, to what relief is entitled to?”

2. Since both the references are against the same Management, facts are similar and common question is involved in disposal of both the cases, hence both of them, for the sake of convenience, are taken together for adjudication and being disposed of by this common award which shall govern both of them.

3. In both the cases the claimants have filed their separate claim statement and the management has also filed its written statement. Both the parties have also led their separate oral as well as documentary evidence in support of their case.

4. In I.D. No. 75/91 workman Shri Ram Avtar filed his statement of claim alleging that he was employed with the management as a helper since September, 1984 and his last wages drawn was Rs. 750/- PM, that he worked with the entire satisfaction of the management and has unblemished service records. He has not given any chance of complaint to the Management; that he worked on the directions of the management for more than 8 hours in a day i.e. 12 hours works in a day but he was not paid overtime wages.

The management every time gave assurance to him but all the assurances were in vain; that on raising demand by the workman the management terminated his services on 4-10-89 without payment of any amount or terminal benefits; that the termination was in clear violation of the provisions of the I.D. Act, 1947. Hence it is illegal, wrong and unjustified and also against the principles of natural justice; that the workman raised a dispute before the conciliation officer which ultimately failed. Hence this reference. That the workman is unemployed since the date of his termination. Hence he is entitled to be reinstated in service with full back wages, continuity of service and all other benefits.

5. In I.D. No. 76/91 the workman while challenging his termination order filed statement of claim alleging that he was employed with the management as a helper and his last wages drawn was Rs. 870/- PM w.e.f. January, 1986; that he worked with the entire satisfaction of the management and his service record was unblemished; that on the directions of the management he worked for 14 hours daily but he was not paid any wages for overtime work; that on raising demand by the workman the management terminated his service on the same day i.e. 1-3-90 without making payment of any terminal benefit; that the termination order is in clear violation of the provisions of I.D. Act, 1947. Hence it is illegal, wrong, unjustified and also against the principles of natural justice; that the workman raised his disputes before the Regional Labour Commissioner but the cancellation proceedings failed. Hence this reference, Workman has prayed that the termination order is illegal, wrong and unjustified. Hence he is entitled to be reinstated in service with continuity, full back wages and other benefits.

6. In both the cases the management-respondent filed its separate written statement denying the claim of the workman and *inter alia* alleging that the Community Bio Gas Project is an experimental project in public interest found by the Department of Non-conventional Energy Resources, Government of India for a temporary period. Therefore, all the workmen employed thereon day to day basis only in exigencies of work; that in view of the same there is no termination of the workman and the question of any dispute does not arise. It was further alleged that the workman Ram Avtar and Tilak Ram Tewari absented on their own accord from duty w.e.f. October, 1989 and 26-2-90 respectively; that the projects of the management are purely experimental and demonstrative on no profit no loss basis only in the public interest to provide new means of energy for the future generation and though the Bio Gas system is technically feasible its economic development, social acceptability, management system etc. are to be examined and a correct assessment made by means of these experimental community Bio Gas Plants. That since the project is only experimental and demonstrative project the entire work of the project was being done by casual workmen employed on day to day basis only in the exigencies of work. Such workmen are daily rated workmen

employed on project to project basis. That the services of the workmen were never terminated by the management but the workmen absented themselves at their own accord. That the workmen are not entitled to get any relief or amount; that the contents of the claim statements are wrong and the claims are liable to be dismissed with costs.

7. In both the cases workmen filed their rejoinder against the written statement of the management. In rejoinder it was further alleged that the workmen was a regular employee and not on day to day basis. They reiterated their earlier versions.

8. I have heard 1d. representatives of both the sides and perused the file.

9. Workmen Shri Ram Avtar and Tilak Ram Tewari both have specifically alleged in para 2 of their statement of claim that they were employed with the management as a helper since September, 1984 and January, 1986 respectively. In its reply the Management has admitted this fact in its written statement by alleging that the contents of para 2 are admitted only to the extent that the workman was employed for certain periods in the exigencies of work on day to day basis. It was further alleged that they were engaged on daily wages basis and their wages was paid at the end of the month. It was never stated that they were engaged for any specific term only. On the other hand the workman claimed that they were regular employee and not on day to day basis. The workman Ram Avtar has also filed a document Ext. P.W. 7 in his evidence which is in the form of office report signed by Shri C.S. Chandel, State Director, it is addressed to one Shri Tripurari Rai, Assistant Clerk. In this letter names of five workers including present workmen Ram Avtar and Tilak Ram are mentioned to arrange for their regularisation. In this letter it has been mentioned that the Chairman had ordered the State Director that the five workmen including Ram Avtar and Tilak Ram have been working in Masoodpur Gas Pariyojna in temporary capacity for about 14 years. Hence their files be submitted to the Chairman with report to make them regular. The workmen have also filed several copies of their personal letters showing that they were giving their address as an employee of Gas Plant Masoodpur, New Delhi. MW1 Shri C.S. Chandel Director of the Management has filed his affidavit Ext. MW1/1 on behalf of the Management wherein he has deposed that the land on which the plant was working is a lease land, the terms of which was to expire on 17-4-89 but the management applied for further extension of lease and is presently continuing with the project at the same premises. In para 8 of the affidavit Shri Chandel has further deposed that this work has now been assigned to contractors since February, 1989 who are now responsible for providing contract labour at the project as is clear from Ex. MW1/1. He further deposed that "after October, 1989 Shri Ram Avtar did not show up for work at all. He was never terminated by the management. Had he showed up for work after that date then he would have given work as and when there was work for him". In his cross-examination Mr. C.S. Chandel stated in his cross-examination that "the

gas plant at any other place. Ram Avtar used to do the job of watchman Peon or helper.” He further stated that his (Ram Avtar) duty was from 8 AM to 1 PM and 2 to 5 PM as per term of daily wages. He further stated that since the workman had absconded from his duty so no charge sheet, memo or enquiry was held in his case. No letter was sent to him for joining duty as he had himself absconded. Similar facts were deposed in the case of Shri Tilak Ram workman in I.D. No. 76 of 1991. Shri C.S. Chandel deposed in his affidavit that Shri Tilak Ram did not show up for work after February, 1990. He was never terminated by the Management. Had he showed up for work he would have been given work for him. He further alleged that Shri Tilak Ram did not come for work after 26-2-90 on his own accord. The witness further deposed in para 8 of his affidavit that this work has now been assigned to contractors since February, 1989. On the other hand Shri Tilak Ram Tiwari and Ram Avtar filed their affidavit in support of their claim. Shri Tilak Ram Tewari state that he was working from January, 1986 to 1-3-90 and Ram Avtar stated as WWI that he was appointed on 1st September, 84 and his services were terminated by one Shri Tripurari Rao S.D.C. on 4-10-89. Here from the above evidence it is very much clear that workmen were engaged by the management. They were paid on monthly basis. According to the management their services were never terminated and the workmen themselves absconded and did not turn up for duty. Yet it stands to no reason that why the workmen would have left their services on their own accord and had it been so they would have not raised any dispute for getting the same job. It has also come in the management’s evidence that the work of the management is of regular nature and the project is still working. According to the management’s evidence the workman Tilak Ram did not turn up after 26-2-90 but there is a contradictory evidence to falsify this version. According to which the work of the management has now been assigned to contractors since February, 1989. This fact itself speaks a volume against the conduct of the management. This fact itself goes to show that the management terminated the services of the workmen and thereafter assigned that work which was being performed by the workmen to the contractors. It supports the workmen’s case. Apart from this the management has itself filed certain payment vouchers through which wages of the workmen were paid. It is surprising to note that the management has filed certain photo copy of a few vouchers only which is not for the entire period. There is also no evidence adduced by the management to show that the workman did not work in remaining period. There is also nothing to show that the workmen had worked for only those days to which these vouchers relate. These vouchers also indicate and corroborates the versions of the workmen that they were working regularly and their wages was being

paid on monthly basis. It appears that the management has purposely concealed correct and relevant facts. The management has also not produced any muster roll or original payment register of wages. I find that the workman has successfully proved their case that they had been working for about 3 or 4 years continuously with certain notional breaks by the management as also holidays and their services were terminated arbitrarily by the management without following the proper procedures for retrenchment of casual labours. I find that the evidence of the management is shakely, contradictory and most unreliable. It is also not sufficient to rebut the evidence of the workman. According to its own document of the management the workman had acquired temporary status and their files were also being requisitioned by the chairman for their regularisation but the management arbitrarily removed them from services. The management also did not issue any show cause notice to the workmen. If the workman had absconded as alleged by the management. The management also did not initiate any enquiry or departmental proceeding. The management also did not give any notice, notice pay, or compensation for their termination as required by the provisions under Section 25-F of the I.D. Act. I find that the termination of both the workmen from their services was in clear violation of the provisions of law and principles of natural justice. Hence it cannot be legally sustained and it is liable to be quashed.

10. In view of the above discussions I find that the action of the management of M/s. Community Bio-Gas Project, Khadi and Village Industries, Masoodpur, New Delhi in terminating the services of Shri Ram Avtar w.e.f. 4-10-89 and Shri Tilak Ram Tiwari w.e.f. 2-3-90 are illegal and unjustified and both the workmen Shri Ram Avtar and Tilak Ram Tewari are entitled to be reinstated with continuity in service and all other consequential benefits. However, in the facts and circumstances of the case I am of the view that both the workmen are entitled to get only 30% of their back wages. Reinstatement of the workmen in their service and payment of back wages in view of this award shall be made within 30 days of the publication of the award in the Official Gazette. Parties shall bear their own costs. Award is given accordingly. A copy of this award shall be placed on the file of I.D. No. 76 of 91 original being placed on the file of I.D. No. 75/91.

Dated : 2-4-04. B.N. PANDEY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का० आ० 1117.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल शीप ब्रिडिंग फार्म के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 33/96/2) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-04-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/42/91-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1117.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 33/96/2) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Central Sheep Breeding Farm and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-04.

[No. L-42011/42/91-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH**

PRESIDING OFFICER

SHRI S. M. GOEL

Case No. ID 33/96/2

The President,
Distt. Agriculture Workers Union,
Gali No. 5, House No. 123,
Jawahar Nagar, Hissar-125001 ... Applicant

VERSUS

The Director,
Central Sheep Breeding Farm,
Hissar-125001.

REPRESENTATIVES:

For the Workman : Shri Darshan Singh
For the Management : Shri Sanjay Goel

AWARD

(Passed on 20-2-2004)

The Central Govt. vide Notification No. L-42011/42/91-IR(DU) dated the 27th March, 1996 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the activities of the Central Sheep Breeding Farm, Hissar constitute to be that of ‘Industry’ under the Industrial Dispute Act, 1947. If so,

“Whether the action of the management of Central Sheep Breeding Farm, Hissar in terminating the Services of 137 workers as per details given in the annexure is legal and justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?”

2. The authorised representative of the workman Shri Darshan Singh vide his applications for the persons mentioned in separate list (list attached) withdraws the reference in respect of above persons. In view of the applications, the case/reference concerning to above persons is returned as withdrawn. The case of remaining will continue to be pending till its final decision. Central Govt. be informed. This award will operate in all the cases mentioned in the list attached.

Chandigarh S. M. GOEL, Presiding Officer
Dated 20-2-2004.

Sl. No.	I.D. No.	Name of the workman
1	2	3
1.	33/96/2	Om Parkash Vs.
2.	33/96/3	Ram Kumar
3.	33/96/4	Shero Rattan
4.	33/96/5	Bega Chawhidu
5.	33/96/6	Bhím Bahadur
6.	33/96/7	Sube
7.	33/96/8	Zile
8.	33/96/9	Birbal
9.	33/96/13	Bhim Singh
10.	33/96/14	Bhoop Singh
11.	33/96/15	Bir Singh
12.	33/96/17	Charta
13.	33/96/18	Chatter Singh
14.	33/96/19	Dharambir
15.	33/96/20	Dhanpat
16.	33/96/22	Dariya
17.	33/96/24	Fateh Singh
18.	33/96/25	Hukma
19.	33/96/26	Indraj
20.	33/96/28	Jagdish
21.	33/96/30	Jeet Singh
22.	33/96/31	Jagdish
23.	33/96/33	Karam Singh
24.	33/96/34	Lilu
25.	33/96/35	Man Sukh
26.	33/96/36	Om Parkash
27.	33/96/37	Mahender
28.	33/96/40	Morden
29.	33/96/41	Manphool
30.	33/96/43	Ram Jas
31.	33/96/45	Nasib
32.	33/96/46	Om Parkash
33.	33/96/49	Payare Singh
34.	33/96/50	Pirthi

1	2	3	1	2	3
35.	33/96/52	Ram Narayan	82.	33/96/125	Lila
36.	33/96/53	Ram Dhan	83.	33/96/126	Sultan
37.	33/96/55	Sham Dass	84.	33/96/129	Manohar
38.	33/96/56	Ramal Das	85.	33/96/130	Surat Singh
39.	33/96/57	Ram Kumar	86.	33/96/132	Dharam Chand
40.	33/96/58	Ram Kumar	87.	33/96/133	Moman
41.	33/96/59	Ranjeet	88.	33/96/134	Naphe Singh
42.	33/96/62	Ram Kumar	89.	33/96/135	Sukhbir Singh
43.	33/96/65	Chand	90.	33/96/1	Sher Singh
44.	33/96/66	Surja			
45.	33/96/67	Sher Singh			
46.	33/96/69	Shamsher			
47.	33/96/70	Surat Singh			
48.	33/96/71	Sant Lal			
49.	33/96/72	Sohan Lal			
50.	33/96/75	Sube Singh			
51.	33/96/76	Satbir Singh			
52.	33/96/77	Sarwan			
53.	33/96/78	Sai Das			
54.	33/96/79	Bal Raj			
55.	33/96/80	Sukhbir			
56.	33/96/82	Telu			
57.	33/96/84	Topan Das			
58.	33/96/86	Parlahad			
59.	33/96/87	Rohtash			
60.	33/96/88	Babu Lal			
61.	33/96/89	Dharma			
62.	33/96/90	Inder			
63.	33/96/91	Om Parkash			
64.	33/96/94	Hari Ram			
65.	33/96/95	Nihal Singh			
66.	33/96/97	Bira Lal			
67.	33/96/98	Satbir			
68.	33/96/99	Ami Lal			
69.	33/96/100	Bhagwan			
70.	33/96/101	Ram Singh			
71.	33/96/102	Soni Ram			
72.	33/96/104	Chander Bhan			
73.	33/96/105	Surjeet			
74.	33/96/107	Pal Singh			
75.	33/96/108	Ishwar Singh			
76.	33/96/110	Sube S/Ram Nath			
77.	33/96/115	Tota Ram			
78.	33/96/117	Ishwar			
79.	33/96/118	Jagdish			
80.	33/96/120	Budhan			
81.	33/96/122	Pirthvi			

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का० आ० 1118.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 223/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-04-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/216/99-आई०आर० (डी०यू०)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1118.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 223/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employer in relation to the management of Telecom Deptt. and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-04.

[No. L-40012/216/99-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

CHANDIGARH.

PRESIDING OFFICER

SHRI S. M. GOEL

Case No. I.D. NO. 223/99

Sh. Raj Kumar S/o Sh. Roop Lal,
Vill. & P.O. Dungri,
Ten. Bhoraj, Hamirpur
(Distt.)-210301.Applicant.

Versus

The Telecom Distt. Manager,
Telecommunication, Hamirpur
(Distt.) 210301.Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Shri D. R. Sharma
 For the Management : Shri H.C. Arora

AWARD

(Passed on 31-3-2004)

Central Govt. Ministry of Labour vide letter No. L-40012/216/99/IR (DU) dated 21st of October 1999 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the Telecom Distt. Manager Hamirpur (H.P.) in terminating the services of Sh. Raj Kumar S/o Sh. Roop Lal w.e.f. 1-8-96 and again w.e.f. 10-11-98 is legal and justified? If not, to what relief he is entitled?”

2. In the Claim Statement it is pleaded by the workman that he was engaged as daily rated mazdoor on 29-9-1995 and continued upto 31-7-1996 when his services were terminated on 1-8-1996. Experience certificate was also issued by the JTO and thus he has completed more than 240 days of service excluding Sundays and leaves etc. It is further pleaded that in the year 1996 there were some vacancies with the management and the name of the workman was sponsored by the employment exchange on the basis of experience. He was also interviewed alongwith other candidates but at the cost of ignoring the applicant the management offered the appointment to the persons who had no experience viz Kaldeep Chand, Rajinder Kumar, Rajan Sharma, Balbir Singh, Vikas Kumar, Pawan Kumar and Sanjeev Kumar. Against the termination by the management the applicant approached the Hon'ble High Court and the Hon'ble High Court directed the management to re-engage him into service on the same terms and conditions. Later on 27-10-1996 the writ petition was dismissed by the Hon'ble High Court for want of jurisdiction. The workman again approached the Central Admn. Tribunal, Chandigarh Bench against the termination of the workman. The C.A.T. also observed that the claimant may approach the appropriate forum for necessary relief. It is thus claimed by the workman that though he continued working since 1995 till date and he completed more than three years and had also completed more than 240 days in the year 1996, 1997 and 1998 respectively and the fact is that similar situated persons are getting Rs. 3200/- per month but all of a sudden on 9-11-1998 his services were again terminated without following the procedure prescribed under the I.D. Act 1947 in as much as the management has violated the mandatory provisions of Section 25-F, G&H of the ID Act 1947. The workman has thus prayed for his reinstatement in service with full backwages and other attendant benefits.

3. In written statement it is pleaded by the management that the workman was engaged as casual labour. He did not complete 240 days of service and the applicant was not appointed through transparent process of competition and the workman is not entitled to any relief. It is further pleaded that persons found to be most suitable were appointed on regular basis. It is also pleaded that service in pursuance to the interim order dated 9-8-96 are not liable to be counted for any purpose whatsoever and the services of the workman were disengaged on 10-11-1998

as there was no further work available with the management. It is also pleaded that the management has not violated the provisions of the I.D. Act 1947 and the reference of the workman deserves to be rejected.

4. In evidence the applicant filed his own affidavit Ex. W1 and also documents Ex. W2 to W7. In rebuttal the management produced Shri D. R. Daroch DE Admn. as MW1 who filed his affidavit Ex. M1. This witness has admitted the number of days mentioned in Ex. W6 which are 260 days from 9/95 to 7/96. It is also admitted by this witness that the workman was engaged in pursuance of the Hon'ble High Court order on 10-8-1996 and the writ petition was dismissed by the Hon'ble High Court on 29-10-1996 and the stay was vacated. It is also admitted by this witness that the workman was engaged from 9-8-1996 to 9-11-1998 but with breaks he failed to tell the break period. It is also admitted by the witness of the management that no retrenchment compensation was paid to the workman and no notice was also given.

5. I have heard the learned counsels for the parties and have also gone through the written arguments filed by the rep. of the management. It is admitted position that the workman had worked for more than 240 days during the period from Sep. 1995 to the date of termination i.e. 31-7-1996 and also worked for more than 240 days even from the date of vacation of the stay in the writ petition i.e. 29-10-96 to 9-11-1998. The workman continued working with the management for both these period and also worked for more than 240 days during this period because no evidence contrary to this has been produced by the management. The contention of the learned counsel for the management is that the workman was not appointed in accordance with the rules of the department and the service of the workman amounts to backdoor entry in Govt. service. He also referred to me the case law of the Hon'ble Punjab and Haryana High Court in the case of Head Master Govt. High School Versus Ajit Singh reported in 2003 (4) RSJ 781. I have gone through the judgement cited by the learned counsel for the management. The facts and circumstances of the referred case law are different from the case in hand. In the above referred judgement, the headmaster engaged some teacher despite the specific ban by the Govt. of Haryana. But in the case in hand, no evidence was placed on record that there is a ban and the workman was engaged for two times and that too for long periods. The name of the workman was also sponsored through the employment exchange and no evidence was produced by the management to rebut this plea of the workman. Therefore, the plea of the management that this is backdoor entry holds no grounds and the workman was not engaged through back door entry. The learned counsel for the management also argued that the service rendered by the applicant from 9-8-1996 till 27-10-1996 can not be counted for any purposes whatsoever in view of the judgements reported in 1997 (2) SCT 747 and 1980 (3) SLR 316. Even if this period i.e. 9-8-96 to 27-10-1996 is excluded, the workman has worked from 28-10-1996 to 10-11-1998 and he has completed more than 240 days of service during this period immediately preceding to the date of termination. Therefore, it is proved on record that in each term the workman has worked with the management for more than 240 days in one calander year and the services of the workman were

terminated without following the mandatory procedure as prescribed U/S 25-F, G and H of the I.D. Act as no retrenchment compensation was paid by the management and no notice or notice pay was given at the time of retrenchment by the management.

6. The learned counsel for the management has also argued that the workman is not entitled for backwages even if it is held that he is entitled for reinstatement and has also cited the case law of the Hon'ble Punjab & Haryana High Court reported as 2001(4) SCT 921 and also pleaded that as the workman has not made any averment in the statement of claim and his affidavit. It is pertinent to mention here that the workman in his cross-examination has deposed that he is unemployed and it is also incumbent upon the management to prove that the workman is gainfully employed. Therefore, the authority cited by the learned counsel for the management is not applicable on the facts of the case in hand.

7. In view of the discussions made in the earlier paras, the action of the Telecom District Manager Hamirpur (HP) in terminating the services of the workman Raj Kumar son of Roop Lal w.e.f. 1-8-1996 and again w.e.f. 10-11-1998 is illegal and unjustified. The workman is entitled to reinstatement in service with full backwages and other attendant benefits including continuity of service. The workman is ordered to be reinstated in service. The management is directed to reinstate the workman within one month from the date of the publication of the Award, and pay all the monetary benefits within one month. Reference is answered in favour of the workman. Central Government be informed.

Chandigarh

Dated: 31-3-2004

S. M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का० आ० 1119.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 224/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-04-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/215/99-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय बर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1119.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 224/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom Deptt. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-4-2004.

[No. L-40012/215/99-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH
PRESIDING OFFICER: SHRIS.M. GOEL

Case No. I.D. NO. 224/99

Shri Shashi Kamal son of Sarav Ram,
Village & PO Dungrin, Teh. Behogran,
Hamirpur.Applicant.

Versus

The Telecom Distt. Manager,
Telecommunication, Hamirpur
(Distt.)Respondent

APPEARANCES:

For the Workman : Shri D.R. Sharma
For the Management : Shri H.C. Arora

AWARD

(PASSED ON 31-3-2004)

Central Government Ministry of Labour vide letter No. L-40012/215/99/IR (DU) dated 21st of October, 1999 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the Telecom Distt. Manager, Hamirpur (H.P.) in terminating the services of Sh. Shashi Kamal son of Sh. Sarav Ram w.e.f. 1-8-1996 and again w.e.f. 10-11-1998 is legal and justified? If not, to what relief he is entitled?”

2. In the Claim statement it is pleaded by the workman that he was engaged as daily rated mazdoor on 29-9-1995 and continued up to 31-7-1996 when his services were terminated on 1-8-1996. Experience certificate was also issued by the JTO and thus he has completed more than 240 days of service excluding Sundays and leaves etc. It is further pleaded that in the year 1996 there were some vacancies with the management and the name of the workman was sponsored by the employment exchange on the basis of experience. He was also interviewed alongwith other candidates but at the cost of ignoring the applicant the management offered the appointment to the persons who had no experience viz. Kaldeep Chand, Rajinder Kumar, Rajan Sharma, Balbir Singh, Vikas Kumar, Pawan Kumar and Sanjeev Kumar. Against the termination by the management the applicant approached the Hon'ble High Court and the Hon'ble High Court directed the management to re-engage him into service on the same terms and conditions. Later on on 27-10-1996 the writ petition was dismissed by the Hon'ble High Court for want of jurisdiction. The workman again approached the Central Admn. Tribunal, Chandigarh Bench against the termination of the workman. The C.A.T. also observed that the claimant may approach the appropriate forum for necessary relief. It is thus claimed by the workman that though he continued working since 1995 till date and he completed more than three years and had also completed more than 240 days in

the years 1996, 1997 and 1998 respectively and the fact is that similar situated persons are getting Rs. 3200 per month but all of a sudden on 9-11-1998 his services were again terminated without following the procedure prescribed under the I.D. Act, 1947 in as much as the management has violated the mandatory provisions of Section 25-F, G & H of the ID Act, 1947. The workman has thus prayed for his reinstatement in service with full backwages and other attendant benefits.

3. In written statement it is pleaded by the management that the workman was engaged as casual labour. He did not complete 240 days of service and the applicant was not appointed through transparent process of competition and the workman is not entitled to any relief. It is further pleaded that persons found to be most suitable were appointed on regular basis. It is also pleaded that service in pursuance to the interim order dated 9-8-1996 are not liable to be counted for any purpose whatsoever and the services of the workman were disengaged on 10-11-1998 as there was no further work available with the management. It is also pleaded that the management has not violated the provisions of the I.D. Act, 1947 and the reference of the workman deserves to be rejected.

4. In evidence the applicant filed his own affidavit Ex. W1 and also documents Ex. W2 to W7. In rebuttal the management produced Shri D.R. Daroch. DE Admn. as MW1 who filed his affidavit Ex. M1. This witness has admitted the number of days mentioned in Ex. W7 which are 260 days from 9/95 to 7/96. It is also admitted by this witness that the workman was engaged in pursuance of the Hon'ble High Court order on 10-8-1996 and the writ petition was dismissed by the Hon'ble High Court on 29-10-1996 and the stay was vacated. It is also admitted by this witness that the workman was engaged from 9-8-1996 to 9-11-1998 but with breaks but he failed to tell the break period. It is also admitted by the witness of the management that no retrenchment compensation was paid to the workman and no notice was also given.

5. I have heard the learned counsels for the parties and have also gone through the written arguments filed by the rep. of the management. It is admitted position that the workman had worked for more than 240 days during the period from Sept. 1995 to the date of termination i.e. 31-7-1996 and also worked for more than 240 days even from the date of vacation of the stay in the writ petition i.e. 29-10-1996 to 9-11-1998. The workman continued working with the management for both these period and also worked for more than 240 days during this period because no evidence contrary to this has been produced by the management. The contention of the learned counsel for the management is that the workman was not appointed in accordance with the rules of the department and the service of the workman amounts to backdoor entry in government service. He also referred to me the case law of the Hon'ble Punjab & Haryana High Court in the case of *Head Master Government High School Versus Ajit Singh* reported in 2003 (4) RSJ 781. I have gone through the judgment cited by the

learned counsel for the management. The facts and circumstances of the referred case law are different from the case in hand. In the above referred judgment, the headmaster engaged some teacher despite the specific ban by the Government. of Haryana. But in the case in hand, no evidence was placed on record that there is a ban and the workman was engaged for two times and that too for long periods. The name of the workman was also sponsored through the employment exchange and no evidence was produced by the management to rebut this plea of the workman. Therefore, the plea of the management that this is backdoor entry holds no grounds and the workman was not engaged through back door entry. The learned counsel for the management also argued that the service rendered by the applicant from 9-8-1996 till 27-10-1996 cannot be counted for any purposes whatsoever in view of the judgments reported in 1997 (2) SCT 747 and 1980 (3) SLR 316. Even if this period i.e. 9-8-1996 to 27-10-1996 is excluded, the workman has worked from 28-10-1996 to 10-11-1998 and he has completed more than 240 days of service during this period immediately preceding to the date of termination. Therefore, it is proved on record that in each term the workman has worked with the management for more than 240 days in one calendar year and the services of the workman were terminated without following the mandatory procedure as prescribed U/S 25-F, G and H of the I.D. Act as no retrenchment compensation was paid by the management and no notice or notice pay was given at the time of retrenchment by the management.

6. The learned counsel for the management has also argued that the workman is not entitled for backwages even if it is held that he is entitled for reinstatement and has also cited the case law of the Hon'ble Punjab & Haryana High Court reported as 2001 (4) SCT 921 and also pleaded that as the workman has not made any averment in the statement of claim and his affidavit. It is pertinent to mention here that the workman in his cross-examination has deposed that he is unemployed and it is also incumbent upon the management to prove that the workman is gainfully employed. Therefore, the authority cited by the learned counsel for the management is not applicable on the facts of the case in hand.

7. In view of the discussions made in the earlier paras, the action of the Telecom District Manager Hamirpur (HP) in terminating the services of the workman Shashi Kamal son of Sarav Ram w.e.f. 1-8-1996 and again w.e.f. 10-11-1998 is illegal and unjustified. The workman is entitled to reinstatement in service with full backwages and other attendant benefits including continuity of service. The workman is ordered to be reinstated in service. The management is directed to reinstate the workman within one month from the date of the publication of the Award, and pay all the monetary benefits within one month. Reference is answered in favour of the workman. Central Government be informed.

नई दिल्ली 12 अप्रैल, 2004

का.आ. 1120.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कोलकता के पंचाट (संदर्भ संख्या 26/2003) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-40011/7/2003-आई.आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1120.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 26/2003) of the Central Government Industrial Tribunal Labour Court Kolkata now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom Deptt. and their workman, which was received by the Central Government on 12-4-2004.

[No. L-40011/7/2003-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT KOLKATA REFERENCE NO 26 OF 2003

Parties: Employers in relation to the management of Telecom Civil Division, BSNL-III

AND

Their workmen

Present: Mr. Justice Hrishikesh Banerji

.....Presiding Officer

Appearance:

On behalf of Management

Mr. R. Roy Advocate

On behalf of Workman

None

State : West Bengal

Industry : Telecom

Dated : 1st April, 2004

AWARD

By order No. L-40011/7/2003/IR(DU) dated 31-07-2003 the Central Govt. in exercise of its powers under Section 10(1) (d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether Sh. R. C Panja *alias* Sh. Ganesh Panja who worked as Carpenter under various contractors at Telecom Housing Complex, Ichapur, Howrah is entitled for absorption into the regular services of M/s. BSNL or not ? Whether Mr. R. C Panja is entitled for an amount of Rs. 321500/- (Rupees three lac twenty one thousand and five hundred only) dues from M/s. BSNL or not? If so, to what relief he is entitled ?”

2. When the case was taken-up last on 19-03-2004, none appeared for the union, nor any step was taken on

its behalf for proceeding with the case. Advocate for the management was present and prayed for passing a 'No Dispute Award' as none ever appeared on behalf of the workmen to pursue the case before the Tribunal. On a perusal of the record it appears that none has ever appeared before the Tribunal on behalf of the workmen since the initiation of the present proceeding in spite of service of several notices upon the union. It is thus clear that the union is no longer interested to pursue the case under reference.

3. In the above circumstance, this Tribunal has no other alternative but to dispose of the present reference by passing a 'No Dispute Award'. A 'No Dispute Award' is accordingly passed and the present reference is disposed of.

Date, Kolkata HRISHIKESH BANERJI, Presiding Officer
1st April, 2004

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

का.आ. 1121.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी डब्ल्यू. डी.के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 9/92) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल- 42012/67/91-डी 2(बी)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 2004

S.O. 1121.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 9/92) of the Central Government Industrial Tribunal Labour Court, New Delhi, No-II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CPWD and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-42012/67/91-D 2(B)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-

LABOUR COURT-II

RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

Presiding officer : R.N.Rai

I.D. No. 9/92

In the matter of:—

Vijay Singh

versus

CP.W.D.

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-42012/67/91/D-2(B), Central Government dt.06-01-1992 has referred the following point for adjudication. The point runs as hereunder:—

“Whether the action of the management of Deputy Director of Horticulture, North Division, CPWD, New Delhi in terminating the services of Shri Vijay Singh and not considering him for further employment while recruiting fresh hands, is justified? if not, what relief he is entitled to?”

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim, he has stated that he was initially engaged in sub-division-I of North Division as Muster Roll Mali w.e.f 17-06-1981 and was allowed to work upto 13-1-1984. It has been further submitted that the workman was wrongly and illegally refused to work when he reported punctually and invariably on the work spot from 14-01-1984 onwards and new hands were employed after his wrongful and illegal termination. The management retained junior persons to him while refusing work and finally terminating his services.

The management has filed WS. In the WS the management has accepted his appointment. The case of the management is that he was casual mali w.e.f 17-6-1981 and worked their upto 13-01-1984. Thereafter he himself left the job and did not turn up. Since he has himself given up his work, he is not entitled to approach through union for re-employment and regularisation. He has come up after 7 years. It shows that he was doing job somewhere else so his claim after 7 years is not justified. He is not entitled to get back wages also.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder he has stated that he approached several times the authorities concerned but they gave him assurance they did not allow him to join. So there was delay of 7 years. His work was satisfactory and no enquiry was held against him. He has not abandoned the job but he was not permitted to work. All the other allegations of the WS have been denied. Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record and the oral of both the parties. The learned counsel for the workman submitted that it has been admitted that he worked for more than 240 days and he was appointed at the post of Mali. The delay of 7 years is not material as the limitation act is not applicable. In the I.D. Act, as has been held in 1999-I-JLJ-1260 by the Hon'ble Supreme Court, so he cannot be deprived of the benefit as he approached after 7 years. In 1990-I-JLJ-463, it has been held that if the name of the workman has been stricken off from the Muster Roll without paying him compensation, it cannot be deemed to be valid termination.

It was argued from the side of the management that the workman was in gainful employment somewhere so he

did not come. He abandoned the job himself. Since limitation is not applicable, even if there is delay of 7 years, he is still entitled to be reinstated at least from the date when the case under the I.D. Act was filed. The citation stated above are fully applicable. In the facts and circumstances of this case, the reference is replied thus:—

The action of the management of Deputy Director of Horticulture, North Division, CPWD, New Delhi in terminating the services of Shri Vijay Singh and not considering him for further employment while recruiting fresh hands, is not justified. The workman is entitled to be reinstated from 6-1-1992 without any back wages.

The award is given accordingly.

Dated : 01-04-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1122.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधनत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 257/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 12025/10/2004-आई.आर. (बी-II)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1122.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 257/1999) of the Central Government Industrial Tribunal Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-12025/10/2004-IR(B. II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
CHANDIGARH

Presiding Officer :

Shri S. M. Goel

CASE NO. I.D. 257/99

Arun Kumar Ghai,
B XI-1662, Rari Mohalla,
Ludhiana.

..... 'Applicant

VERSUS

The management of Canara Bank,
Circle Office, Plot No. 1,
Sector 34-A
Chandigarh. Respondent

APPEARANCE

For the Workman : Shri B. J. Singh
For the Management : Shri Ashok Jagga

AWARD

(PASSED ON 11-3-04)

The applicant has filed the present complaint U/s. 33-A under the I.D. Act 1947 inter-alia alleging therein that the management has been guilty of a contravention of the provisions of Section 33 of the I.D. Act. The same has been registered and treated as industrial dispute. It is pleaded in the complaint that the applicant is a protected workman being Central Committee Member of Canara Bank Staff Union which is a registered union and number of industrial disputes are pending between the workmen and the management before this Tribunal in which the applicant is representing the workmen. It is further pleaded that the management without seeking the prior approval of this Tribunal has issued the order dated 16-7-1998 dismissing the applicant from service of the bank on trumped up charges and thus the management has violated the provisions of Section 33(3) of the I.D. Act. The applicant prayed that this court may decide the above complaint of the workman.

2. The management in reply to the complaint has taken preliminary objection that the applicant is not the protected workman under the provisions of the I.D. Act and therefore, the applicant is not entitled to any relief on the assumption of his being a protected workman. It is further pleaded that no prior approval of this Tribunal is required before taking the disciplinary action against the complainant and the charges against the workman are not trumped up. The management has conducted the requisite enquiry as per the stipulated procedure in accordance with the principles of natural justice and copies of the enquiry record was placed in both the cases i.e. ID 5/92 and ID 83/96. It is also pleaded that the management has not contravened the provisions of Section 33(3) of the I.D. Act and no prior approval is required before imposing the punishment on the applicant by the disciplinary authority.

3. Rejoinder was also filed by the applicant reiterating the claim made in the complaint.

4. During the proceedings a reference was made under Rule 61(4) of Industrial Disputes Central Rules, 1957 to Regional Labour Commissioner (Central) who gave an award but the said award was quashed by Hon'ble High

Court of Punjab & Haryana in Civil Writ Petition No. 14894 of 2003 titled as *Canara Bank Vs. Arun Ghai* in which it was further ordered that both the parties would be at liberty to lead such evidence as they deem necessary before the Tribunal & thereafter it shall decide the matter in accordance with law.

5. Both the parties were directed to lead their evidence in support of their respective claims. The applicant Arun Kumar filed his own affidavits Ex. W1 and W2 and various documents Ex. W3 to W17. Applicant also produced Gurdarshan Singh, S/o Sh. Shingara Singh as WW2. WW1 Mr. Arun Ghai in his affidavit. Supported the contents of the complaint. In reply to a Court Question, he answered that he was member of Central Committee, Canara Bank Staff Union and agenda was circulated with regard to election to all the members and besides him some other members were also elected, the minutes were prepared. Neither he could place on record the agenda of the meeting nor the minutes which were prepared. The management through its counsel also cross-examined him and he deposed that he was claiming himself to be a protected workman being the Central Committee Member and he had no record with him which could state that he was a protected workman. He volunteered that the relevant record must be with General Secretary and five more workmen were nominated as protected workman by the Union. He admitted that Bank never published or circulated any list of protected workmen as it was not a practice in the bank and no protest was ever lodged with the bank for not declaring him as a protected workman. Letter dated 09-09-1997 and 20-4-1998 Ex. W15 and W17 were posted from Jagroan and Ludhiana respectively. Letter from Jagroan was posted by Harjit Singh Mann whereas letter from Ludhiana might have been posted by him. It was specifically suggested by the management that he was never made Central Committee Member nor he was declared as a protected workman. It was further suggested that letter Ex. W15 and W17 which were alleged intimations sent to the bank about the workman being a protected workman were neither posted nor resolved by the Union nor bore the signatures of H.S. Mann the purported signatory. It was also suggested that Mr. Mann had delivered certain blank signed writing pads of the Union. He was confronted with comments Ex. M1 which is dated 20-4-1998 which he denied having posted and rather alleged having given to DGM Disciplinary authority.

6. WW2 Gurdarshan Singh tendered in evidence his affidavit Ex. W18 and subjected to cross-examination. During cross-examination he deposed that he knew about Ex. 15 and W17 and Harjit Singh being Assistant Secretary of the Union and not Assistant General Secretary. He further deposed that Mr. Mann might have posted those letters personally but the envelops were not prepared in his presence. He conceded that with regard to with these two letters no agenda was ever circulated to the Union.

He stated that he had received notices regarding these meetings but he was not in a position to produce the same. The workman closed the evidence with this.

7. The evidence of the management was led by affidavit of MW1 Harjit Singh Mann who deposed that letters Ex. W15 and W17 were neither prepared by his union nor despatched and there was no post of Assistant General Secretary in the Union. The persons named in these letters too were never nominated as protected workmen and these letters were presumably prepared or copied from the blank letter heads bearing the signatures given by him. He further deposed that in case the same having been sent by him he must have had the copies with him. He was cross-examined by the learned counsel for the workman who suggested to him that he had been charge sheeted and to save himself he had filed his affidavit falsely. The witness was also confronted with Ex. W15 and W17 but MW1 denied his signatures on Ex. W15 and W17. The management further examined MW2 Kanwar Ashok Kumar who deposed that he had personally received the registered letter No. 356 on 23-4-1998 which contained the eleven page letter of Mr. Arun Ghai which has already been exhibited. It was suggested that in the delivery book in which the witness signed while receiving the letter the writing was in two different inks and there was some over-writing which the witness denied specifically. Lastly, the management examined Mr. P.K. Kohli as MW3 who deposed that during his tenure in the relevant period, no list of protected workmen was published. He further deposed that no letter dated 9-9-1997 Ex. W15 was ever received by the bank and Ex. W17 letter dated 20-4-1998 was also not received by his section and he gave the detail of the procedure of receipt of DAK in Circle Office. He also deposed that this exercise is taken care of at Head Office level. Thereafter the management also closed its evidence.

8. After the parties closed their evidence, the Petitioner moved an application for leading additional evidence by getting signatures on Ex. W15 Ex. W17 examined from a Handwriting expert. Bank on the other hand has filed a reply and there after parties addressed their oral submissions on that application. The point upon which the additional evidence is sought to be led about genuineness of signatures of Mr. H.S. Mann on these two documents is yet to be decided by the Tribunal. In case it is decided by the Tribunal that for a fair adjudication of the matters at issue, the examination of signatures from a expert is necessary, the permission should be accorded for leading the additional evidence but if the same is not considered necessary, the additional evidence shall not be permitted to be led. The matter has been examined by me in the light of the evidence led. The perusal of the evidence particularly the testimony of Mr. H. S. Mann reveals that his denial about signatures is not specific. He has deposed that the signatures appears to be resembling with his signatures. Although during cross-examination,

he denied those signatures too but taking an over all view of the situation, I am of the view that the signatures are to be his. I thus proceed to decide the whole case after concluding the signatures of Mr. H.S. Mann to be on Ex. W15 and W17.

9. The entire, evidence led by the parties has been carefully examined and have also heard the parties at length. It is observed specifically that although a complete procedure regarding nomination of protected workman has been provided in Rule 61 of Industrial Disputes (Central) Rules 1957 but the workman has miserably failed to prove the same in the instant case. Nevertheless a denial to the authorship and receipt of letters Ex. W15 and 17, no evidence has been led directly in the shape of a witness who could depose that he posted those letters. The elementary particulars like agenda of the meeting and minutes thereof for the reasons best known to the workman have not been produced nor the same have been even summoned nor been produced from the Union by the workman. The statutory provision contained in Rule 61 clearly makes it mandatory that the management shall communicate to the Union recognition in writing within 15 days from the receipt of the letter about protected workmen, yet no protest was lodged against the bank nor any action was taken for not doing so by the bank. No reason has been assigned for that in reply to the specific question put by the management to Mr. Arun Ghai. Thus the entire story put forth by the workman runs contrary to the mandate of Rule 61 and the same has gone unproved. The rule 61 runs as follow :

“61. Protected Workmen—(1) Every registered trade union connected with an industrial establishment to which the Act applies, shall communicate to the employer before the (30th April) every year, the names and addresses of such of the officers of the Union who are employed in that establishment and who, in the opinion of the union should be recognised as ‘protected workmen’. Any change in the incumbency of any such officers shall be communicated to the employer by the union within fifteen days of such change.

(2) The employer shall subject to Section 33, sub-section (4), recognise such workmen to be ‘protected workmen’ for the purpose of sub-section (3) of the said section and communicate to the union, in writing, within fifteen days of the receipt of the names and addresses under sub-rule (1), the list of workmen recognised as protected workmen (for the period of twelve months from the date of such communication).

(3) Where the total number of names received by the employer under sub-rule (1) exceeds the maximum number of protected workmen, admissible for the establishment, under Section 33, sub-section (4) the

employer shall recognise as protected workmen only such maximum number of workmen;

Provided that where there is more than one registered trade union in the establishment, the maximum number shall be so distributed by the employer among the unions that the numbers of recognised protected workmen in individual unions bear roughly the same proportion to one another as the membership figures of the unions. The employer shall in that case intimate in writing to the President of the Secretary of the union the number of protected workmen allotted to it;

Provided further that where the number of protected workmen allotted to a union under this sub-rule falls short of the number of officers of the union seeking protection, the union shall be entitled to select the officers to be recognised as protected workmen. Such selection shall be made by the union and communicated to the employer within five days of the receipt of the employers letter.

(4) When a dispute arises between an employer and any registered trade union in any matter connected with the recognition of 'protected workmen' under this rule, the dispute shall be referred to the [any Regional Labour Commissioner (Central) or] Assistant Labour Commissioner (Central) concerned, whose decision thereon shall be final.

It is thus not possible to accept the status of the workman as a protected workman. The recognition by the employer is thus necessary. The workman has not proved any such evidence as may establish that the workman was recognised by the bank as a 'Protected workmen'. Evidently there is a dispute in respect of the nomination of the protected workman. The union concerned should have been taken up the matter under rule 61(4) of the I.D. (Central) Rules 1957 with Regional Labour Commissioner (Central) and in absence of any dispute having been raised by the Union if the workman raise this dispute and that too in proceedings U/s. 33-A of the I.D. Act. Confronted with this situation, in the absence of proof by cogent documentary evidence as it exist in such cases, the claim of the workman of the 'protected workman' can not be accepted. It is established principle of law that where documentary evidence of a fact exists, oral evidence of that fact may not carry weight and may not be admissible. The complaint filed by the workman under Section 53-A of the I.D. Act. 1947 is, therefore, liable to be rejected. Thus the same is rejected.

Central Govt. be informed for publication in the gazette.

Chandigarh.

11-3-2004

S.M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1123— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं आई सी आफ इण्डिया के प्रबंधसंग्रह के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली नं. II के पंचाट (संदर्भ संख्या 43/92) के प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/53/94-आई.आर.(बी-II)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1123.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 43/92) of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi No. II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-17012/53/94-IR(B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

✓ BEFORE THE PRESIDING OFFICER: CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL: CUM LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE NEW DELHI

Presiding Officer : R.N. Rai.

L.D. No. 43/92.

In the Matter of :

O.P. Dhingra

versus

Life Insurance Corporation of India

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-17012/53/94/IR B-II/Central Govt. dt. 20-3-95 has referred the following points for adjudication. The points runs as hereunder:-

"Whether the action of the management of LIC, New Delhi in not promoting Shri O.P. Dhingra, HGA, to the post of Asstt. Administrative Officer w.e.f. 1-7-1987 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled to?"

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim. He has stated that he was a member of insurance worker's organization affiliated to B.M.S. and is presently working as higher grade Asstt. Since January,

1982 at Delhi divisional office, Jeevan Prakesh Building, 25, K.G. Marg, New Delhi.

That the workman worked as Asstt. From 1962 to December, 1982 and was promoted to the cadre of H.G.A. on 1-1-82. The workman is a law Graduate and fellow of Insurance Institute of India, the highest qualification in insurance.

That he became eligible for the post of Asstt. Administrative officer since 1-1-87 as per LIC promotion regulation 1076 after completing 5 years in the cadre of HGA.

It has been further submitted that these promotion regulations were amended and were notified in October, 1987. The workman was eligible for the post of A.A.O. under the amended regulations also. He was not promoted in spite of his qualifications.

It has been further submitted that Shri N.K. Sharma was promoted on 1-1-1991 by LIC of India from the cadre H.G.A. to the post A.A.O. by putting at stake all the rules and regulations of LIC in force and ignoring the claim of aggrieved workman.

Shri N.K. Sharma was promoted by superseding hundreds of employees working in LIC of India even though Shri N.K. Sharma was not eligible for the post of A.A.O. as on 1-9-1991 as per promotion regulations 1987. Shri N.K. Sharma is only a third division graduate from Punjab University whereas the workman is B.A. (HONS) LLB as stated above and much senior to Shri N.K. Sharma.

As per the Promotion regulation, 1987 an HGA became eligible to the AAO after completion of minimum of 5 years of service as HGA on the date of Notification of vacancies. After attaining the eligibility the candidate is interviewed as per the procedure laid down in these regulations. Shri N.K. Sharma has not completed 5 years service despite all these facts he was promoted. It has been further submitted that the workman made representations but no reply was received.

That the workman and the union made oral representation with the management for reconsideration of their decision and to promote the workman. In spite of several requests, the management of LIC has failed to give any reason for rejecting the claim of the workman.

The matter was refused to the ALC and the same has been sent for consideration.

The management has filed written statement.

It has been submitted that the promotion of Shri N.K. Sharma was in accordance with the rules and regulations of the corporation and there has not been any discrimination. The corporation was required to formulate incentive scheme for the employee carrying out their work in Hindi. A committee of the Hon'ble Members of the parliament have advised that priority be given to those who

had worked much in Hindi. In pursuance of that recommendation, the promotion was made. The case of Shri N.K. Sharma came up for consideration. He has encouraged the use of Hindi in the Delhi Divisional office consisting of several hundreds of employees. He had conducted countless Hindi workshops and training Sessions to educate the employees/officers in the matter of usage of Hindi for official purposes. He has also arranged and conducted some of the best Hindi Samelans year after year where many national and international celebrities had participated so he has promoted the cause of Hindi. The allegations of the statement of claim is not correct.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has denied all the allegations of the written statement and said that discriminatory promotion was given to Shri N.K. Sharma. He has not taken part in any Hindi Samelan. He has not encouraged worked in Hindi. It is all baseless. No record regarding the same has been filed.

Heard the arguments from both sides and perused the papers of the records.

It was argued on behalf of the workman that Government of India has passed Promotion regulation under Section 48(2) of LIC Act, 1956, statutory in character. The whole procedure and eligibility conditions are provided in the regulations. LIC has no power to supersede or tamper with any of regulations due to Section (2) CC of LIC Act, 1956 (as amended in 1981). Promotion regulation of 1987, which is a later date will prevail and not staff regulation 1960 (in case of conflict). Promotions are service conditions. Any change in it are subject to Section 9A of ID Act, 1947.

It was further submitted that no promotion process was valid or declared. No vacancies were declared. No sanction of the post which is essential under Section 4(1) of promotion Regs. 1987. The management admitted this fact in cross examination on 5-6-1997 on their affidavit dated 15-4-1997. Sanction of post are preliminary conditions as has been declared in CGIT Award in 1986.

It was further submitted that no scheme like promotion as incentive for work in Hindi was formulated, published and declare by the management if there is any change in service conditions, it was necessary to give notice under Section 9A of the ID Act, 1947 but no such notice was given by the management.

It was also submitted that according to the promotion regulations 1987, minimum of 5 years is required for promotion to Asstt. Administrative Officer from higher grade Asstt. Sh. N.K. Sharma has completed only 3 years so he was not eligible for promotion. Exceptions have been provided to SC/ST candidates when sufficient number of eligible candidates are not available.

It has been further submitted that from the side of the workman, he is more senior and qualified. He is (BA)

Hons in Hindi, LLB and fellow of insurance institute of India, highest qualification in insurance whereas Sh. N.K. Sharma is simply a graduate having no such qualification. Neither Sh. N.K. Sharma nor anybody else was called for interview in the instant case. Sh. N.K. Sharma was promoted due to his proximity with the then Prime Minister Sh. P.V. Narshima Rao the ruling party.

This fact was given in the affidavit of the workman and the management did not refute this fact in the cross examination.

Sh. N.K. Sharma was not doing any work in the office as he was declared duty free, but was always busy with his political connections. This fact was also given in the workman's affidavit which was not refuted by the management. The LIC auditors also pointed out this fact in their audit report of 1992-1993, the copy of which has been annexed with the record. It has been further submitted that it is a unfair labour practice under Clause 9 of schedule 5 of ID Act, 1947. The act of the management was illegal. It is void ab initio. From the side of the workman I997 LAB I.C. 2097, has been cited. It has been declared that promotion likewise in employment in the public undertaking is public property. In 2000(7) SC scale (Page 336) and AIR 1992 SC 2130 and 1994 SC 2166. AIR 1991 page 204 and 205 were cited by the management. I have gone through all the citations of the Hon'ble High Court and the Hon'ble Supreme Court. It is apparent from the citations that extraneous consideration should not be adopted for promoting one candidate and ignoring the other candidate. Any appointment made to the service shall be in accordance with the statutory rules and also the guidelines laid down thereunder. Any appointments made without following the statutory law cannot be regularised.

It has also been held in AIR 1994 that in case process of selection is conceived in fraud, and delivered in deceit, the entire selection is liable to be set aside. It has also been held in this case if the process is found to be arbitrary, compensation may given to him. It has been further submitted that under rule 5 of regulations of 1987, the Chairman is vested with the power to consider the cases or a person who has good in the field of sports and national and international award winner in the field of cultural, literary or scientific activity may be promoted to the next higher grade. It was argued by the workman that no such certificate has been attached with the record which shows that Shri N.K. Sharma has received any award of national status or international character.

It was argued from the side of the management that the promotion of Mr. N.K. Sharma was done as their sub committee of the committee of Parliament on official language. While inspecting the Central Office, Bombay on 17th September, 1990, desired the Corporation to give priority to an incentive scheme for the employees who are

engaged in implementation of progressive use of official language in the Corporation.

The matter was discussed at length by the Executive Committee at meeting held on 30th August, 1991 and the approved the proposal that at each Zonal office one such employee out of the employees recommended by each Zonal Office engaged in implementation of the progressive use of official language, be promoted. A circular vide annexure "A" was issued by the Central Office. Bombay whereby all the Zonal offices, i.e. Madras, Hyderabad, Calcutta, Kanpur, New Delhi and Bombay were requested to furnish a list of employees in the cadre of Higher Grade Asstt. Working in the Zonal and Divisional Offices for grant of incentives, including by way of promotion, who have contributed remarkably in the field of implementation of official language alongwith the recommendations for the same. Shri Sharma was also a founder member of the well known cultural-cum-social organization known as "Bhasa Bharati" which among others encourages the promotion of Hindi as national language.

It has been further submitted by the management that the Executive Committee may, in the interest of the Corporation, for reasons to be specified in its resolution, relax any of the provisions of these regulation in individual cases.

facts and circumstances of this case.

The reference is replied thus :

The action of the management of LIC, New Delhi in not promoting Shri O.P. Dhingra, HGA to the post of Asstt. Administrative Officer w.e.f. 1-7-1987 is neither legal nor justified. His case for promotion should be considered alongwith Shri N.K. Sharma.

The award is given accordingly.

Dated : 26-03-04

R.N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2004

.का.आ. 1124.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार युको बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 149/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/288/2000-आई.आर.(बी-II)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1124.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the award (Ref. No. 149/2001) of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-12011/288/2000-IR(B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Presiding Officer:
Shri S. M. Goel,

Case No. I.D. 149/2001

The General Secretary,
UCO Bank Employees Union,
Central Office,
C/o U.C.O. Bank, G.T. Road,
Jalandhar (Pb.).

: Applicant

Vs.

UCO. Bank,
The Zonal Manager,
UCO Bank, Zonal Office,
SCO 1892-93, Sector-22-B,
Chandigarh.

Appearances

For the Workman : Shri R.K. Walia

For the Management : Shri N.K. Zakhmi

AWARD

(Passed On 31-03-2004)

Central Government, vide notification No. L-12011/288/2000-IR(B-II) dated 28th March, 2001 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Asstt. General Manager, UCO Bank in dismissing the services to Shri Naresh Kumar is just and legal? If not, what relief the concerned workman is entitled to and from which date?"

2. In the claim statement it is pleaded by the workman that he was appointed as clerk in UCO Bank on 2-8-1982 in clerical grade and he was placed under suspension in an illegal manner on 8-12-1998 without any charge sheet and enquiry. The bank had issued show cause notice on 13-1-1999. The reply was not considered by the bank and enquiry officer was appointed. The enquiry officer did not hold the enquiry in accordance with the established procedure and even the notice was not given

to the workman. It is further pleaded that the enquiry officer was not independent and impartial officer and he was working as immediate subordinate to the disciplinary authority. The enquiry proceedings were not held in accordance with the procedure and proper opportunity was not afforded to the workman during the enquiry to defend himself and the objection raised were not recorded and this has caused prejudice to the workman. The enquiry officer gave his findings in biased manner and the same were not based upon evidence on record. The disciplinary authority did not apply its mind to the facts and circumstances of the case and show cause notice of dismissal was given which was replied by the workman and without considering the reply the extreme penalty of dismissal was imposed upon the workman. The appeal of the workman was also dismissed as a routine matter and without recording any reasons. It is thus prayed that the enquiry may be declared as vitiated and the workman be reinstated in service with full backwages and other benefits of service as the enquiry was bad and the workman was not allowed reasonable opportunity to defend himself.

3. The management in written statement pleaded that the workman is guilty of serious acts of misconduct for which he was served with the charge sheet on 19-3-1999. The first charge against the workman was that on 5-11-1998 he applied for casual leave for 6-11-1998 for taking part in "Dharna" which was denied by the branch manager and the workman remained absent on 6-11-1998 and he was marked absent by the branch manager. On 7-11-1998 the workman tampered with the attendance register and marked himself as present in the attendance Register and then he unauthorisedly marked casual leave on 6-11-1998 in the register. The 2nd charge is that on 7-11-1998 he was asked to officiate vice assistant manager but he refused to work as vice assistant and refused to perform his duty as such and on the contrary he wrote wrong narration in the office order himself questioning the bonafide of the manager. The 3rd charge is that on 4-12-1998 he shut the door of the strong room deliberately when Mr. P. S. Saini (Handicapped person) who was assistant manager of the branch was inside and the door was opened when Mr. Saini was about to faint and the 4th charge was that he threw the cash of the customer when the same was brought at late hours and also thrashed the chief cashier of the branch. He was served with the charge sheet and the reply was not found satisfactory. The enquiry officer was appointed to enquire into the charges. The enquiry officer after conducting a fair and proper enquiry and after giving full opportunity to the petitioner to prove his innocence reached to the conclusion that all the charges levelled against the petitioner were duly proved. The workman was given full Opportunity to cross-examine the witnesses of the management. The enquiry was conducted in accordance with the prin-

ciples of natural justice. The enquiry officer submitted his report and the disciplinary authority after examining the various documents and looking into the gravity of the misconduct issued a show cause notice of dismissal and personal hearing was also given and after considering all the material on record passed the order of dismissal on 30-11-1999. The appeal of the workman was also rejected by the appellate authority but the dismissal was substituted with the penalty of removal from service. It is prayed that the order of removal from service is based on the legal and just enquiry and during the enquiry proceedings principles of natural justice has not been violated and there is no merit in the present reference and the same deserves rejection as the punishment imposed is proportionate to the gravity of the misconduct of the workman.

4. Rejoinder was also filed by the workman reiterating almost the same facts as pleaded in the claim statement.

5. The management submitted the entire enquiry proceedings and the parties were heard on the fairness of the conduction of the enquiry proceeding by the enquiry officer as it is alleged by the applicant that the enquiry was not conducted in fair and proper manner.

6. I have heard the learned counsels for the parties and have also gone through the entire record and complete enquiry proceedings. The learned counsel for the workman has argued that the enquiry was conducted in a biased manner and the same deserves to be vitiated as the same was conducted by the person who was immediate subordinate to the disciplinary authority. The learned counsel for the workman fails to point out as to how and in what manner the same caused prejudice to the workman so as to declare the enquiry as vitiated. I have gone through the entire enquiry proceedings. The workman has participated fully in the enquiry proceedings. He has cross-examined the witnesses of the management and full opportunity was given to him to defend himself during the entire enquiry proceedings. The show cause notice of proposed punishment was given to the workman. He was also allowed personal hearing. The appellate authority also allowed personal hearing to the workman before rejecting his appeal. Even the counsel for the workman also failed to point out any irregularity in the conduction of the proceedings which caused prejudice to the workman and is damaging to him so as to declare the enquiry as vitiated. Therefore, in my considered opinion, the enquiry has been conducted by the enquiry officer in accordance with the principles of natural justice and the workman was allowed full opportunity to defend himself. Therefore, it is held that the enquiry is proper and the same has been conducted in accordance with the set procedure.

7. The learned counsel for the workman has further argued that the workman has not been guilty of any fraud,

misappropriation of funds etc. and the penalty imposed upon the workman is very harsh and extreme in as much as the workman has unblemished record of service up to the date of the incident from the year 1982 and this Tribunal is competent enough U/S 11-A of the I.D. Act 1947 to have mercy on the applicant. It is admitted case of the parties that there is no fraud or misappropriation of bank's money, and the punishment of removal from service; in my opinion is harsh one and disproportionate to the alleged misconduct particularly when there are no charges of fraud etc. Therefore, taking into consideration the facts and circumstances of the case in hand exercising my power and jurisdiction U/S 11-A of the I.D. Act, interference is called for by this Tribunal in the punishment aspect of the matter. Therefore, the end of justice would be met if the punishment of removal is substituted with that of stoppage of four increments for one year but the intervening period will be counted for all purposes except the workman will not be entitled for wages for the period from the date of dismissal to the date of passing of the award. The management is directed to reinstate the workman within one month from the date of publication of the Award. The reference is answered accordingly. Central Govt. be informed.

Chandigarh

S. M. GOEL Presiding Officer

नई दिल्ली 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1125.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन प्रक्रिया के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण चाण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 29/94) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/355/93-आई.आर. (बी-II)]

अजय कुमार, डैस्ट्रक्ट अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1125.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947(14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 29/94) of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-12012/355/93-IR(B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
CHANDIGARH

Presiding Officer : Shri S.M. Gool

Case No. ID 2974/

Amarjit Singh C/o Arun Ghaf C.C. Member, Canara Bank
Union, 1662, Rari Mohalla, Ludhiana

Applicant

versus

Regional Manager, Canara Bank, Sector-17, Chandigarh

.....Respondent

APPEARANCES :

For the Workman

Shri J.G. Verma

For the Management

Shri V.K. Garg

AWARD

(Passed on 11-3-2004)

Central Govt. wide notification No.L-12012/353/93.IR(B.2) dated 25th of March, 1994 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of Canara Bank, Chandigarh in imposing the punishment of stoppage of two annual increments on Sri Amarjit Singh, Clerk-cum-Cashier *vide* order dated 30-9-88 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?”

2. In claim statement it is pleaded that the workman was suspended by the management of Laxmi Commercial Bank Ltd. on 3-2-1984 and Sri A.K. Sawhney Area Manager also got registered a police case against the workman and he was also issued charge sheet dated 17-4-1984. The management of Laxmi Commercial Bank violated the provisions of law with respect to procedure of disciplinary action and the enquiry was stopped till the decision by the Court in the criminal case. The applicant was finally acquitted of the charges by the Criminal Court on 2-1-1987. Later on the Laxmi Commercial Bank was merged with the Canara Bank. The management of the Canara Bank instituted enquiry and the earlier charge sheet which was issued by the erstwhile Laxmi Commercial Bank which was against the provisions of law as laid down in Chapter 19 of the Bipartite Settlement, the workman was not given proper opportunity of defence during the enquiry proceedings and even the request on medical ground was turned down. The enquiry was also held at Kamal far off place from the occurrence and the enquiry officer conducted the enquiry *quasi ex parte*. The principle of natural justice was also violated and the enquiry officer was also acting as enquiry officer cum prosecuting officer. The enquiry officer also proposed and recommended the punishment which was finally imposed

by the disciplinary authority and the appeal was also rejected by the appellate authority without applying its mind. The applicant thus prayed that the punishment imposed upon the workman be set aside and the increments be restored and also release the balance pay money, subsistence allowance. By declaring the enquiry as against the principle of natural justice.

3. In written statement the management has pleaded that the applicant was placed under suspension on 3-2-1984 in connection with serious misconduct of mis-handling the manager Shri A.K. Sawhney and a police case was registered and a charge sheet dated 17-4-1984 was also served on the applicant. It was alleged in the charge sheet that on 2-2-1984 at 10-15 a.m. the applicant entered in the Zonal office of Laxmi Commercial Bank in a drunken condition and entered in the cabin of Area Manager Mr. Sawhney and threatened him to end his life by holding his neck and by abusing in filthy language. After he was taken out of the cabin by the staff members he attempted to break the locked cabin door. He also tampered with the attendance register by marking his presence for the whole day. The enquiry officer was appointed by erstwhile Laxmi Commercial Bank but the enquiry was stopped as criminal trial was going on. The criminal court acquitted the applicant on 2-1-1987. The management admitted that the charge sheet was modified and the enquiry officer after completing the enquiry submitting his findings holding the employee guilty of the charges except allegation contained in para 3 of the charge sheet. The disciplinary authority imposed the punishment of stoppage of two increments for allegations contained in para 1, 2, 4 and 6 and warning was imposed for para 3 and for para 5 of the charge the applicant was exonerated *vide* order dated 30-9-1988. It is pleaded that the enquiry was conducted in fair and proper manner and principles of natural justice have been adhered to and due procedure was followed. The request for adjournment of the enquiry proceeding was not considered as it was only to delay the enquiry. It is admitted by the management that no presenting officer was appointed to put forth the case of the management but it is pleaded that no prejudice has been caused. It is also admitted that no show cause notice was given before inflicting the punishment and the disciplinary authority imposed the punishment on the basis of the record. It is further pleaded that the punishment imposed upon the workman is just and appropriate and the applicant is not entitled to any relief the reference deserves rejection.

4. Replication was also filed by the applicant reiterating the claim made in the claim petition.

5. Both the parties in support of their respective pleadings filed their affidavits. Since the punishment was imposed upon the workman after conducting departmental enquiry against the workman, therefore, this Tribunal is fit to see whether the enquiry conducted is fair and proper and whether conducted in accordance with the

principles of natural justice and the workman had been allowed proper opportunity during the enquiry to defend himself.

6. Arguments have been heard on behalf of the parties on fairness of the enquiry. The learned rep. of the workman has argued that first of all the management of Canara Bank modified the chargesheet which was originally served by the erstwhile Laxmi Commercial Bank which is against the provisions of the Bipartite Settlement. It is further argued that the bank has not appointed any presenting officer and the enquiry officer had also acted as presenting officer and produced the evidence and documents himself and thus the enquiry officer acted partially and this has caused great prejudice to the applicant in as much as the enquiry was conducted ex-parte and material witness was not allowed to be cross-examined by the enquiry officer. The enquiry officer himself acted as disciplinary authority and the enquiry officer. The enquiry officer had proposed punishment and the hearing was conducted by the enquiry officer himself on the proposed punishment which is against the principles of natural justice and the enquiry should be vitiated on this ground alone. It is further argued by the learned rep. of the workman that in the same charges the applicant was put on trial in the criminal court and the applicant was acquitted by the trial court and on the same charges the bank management is debarred to hold departmental proceedings again. The learned rep. of the workman also referred me to the case law of the Hon'ble Supreme Court in the case of *Camp. M. Paul Anthony Versus Bharat Gold Mines Ltd.* and another reported in 1999(2) R.S.J. page 318. It is further argued by the learned rep. of the workman that the disciplinary authority has not given any show cause notice before inflicting the punishment and the hearing took place only by the enquiry officer during the enquiry proceedings, therefore, the Management and the enquiry officer has violated the mandatory procedure and the whole enquiry stand vitiated in view of the procedure adopted by the enquiry officer and the management.

7. On the other hand, the learned rep. of the management has argued that due procedure has been adopted by the enquiry officer and the management has every right to modify the chargesheet and the workman was given full opportunity to defend himself during the course of enquiry and there is no ambiguity or illegality in the enquiry proceedings. It is further argued that the punishment is very much in accordance with the gravity of the misconduct and the workman is not entitled to any relief. It is further argued by the learned rep. of the management that the bank has every right to conduct departmental proceedings in spite of the fact that the workman was acquitted by the criminal court and the workman is not entitled to any relief in the present reference.

8. I have gone through the rival contentions of the parties and have gone through the enquiry proceedings and other related documents of the case. I have also perused the judgement referred to by the Learned counsel for the workman and also the judgement of the criminal court in which the workman was acquitted. The applicant was tried for the offence as mentioned in the chargesheet issued by the bank. The Criminal Court has held that the workman was not present at the place of occurrence and he was present in the Banga Branch of the Bank from 10 AM to 5 PM. The attendance register of the bank was not produced in this Tribunal also and not in the enquiry proceedings. It was held by the Criminal Court that the applicant was present in his bank branch and not at the place where the alleged incident has took place. Therefore, the evidence recorded of the alleged victim Mr. Sawhney that the workman was present holds no ground and it cannot be said that the workman was present in his branch and not at the place of occurrence especially when the attendance register shows the presence of the workman from 10 AM to 5 PM. The Hon'ble Supreme Court in the authority referred to above has held that where the applicant is acquitted by a judicial pronouncement with the finding that the raid and recovery at the residence of the appellant was not proved it would be unjust, unfair and rather oppressive to allow the findings recorded at the departmental proceedings to stand. In the case in hand also, by acquitting the applicant in a criminal case on the plea that the workman was not present at the place of occurrence at 10-15 AM and it was present 40 Kms away at 10 AM to 5 PM, the enquiry proceedings holding that workman was present at the place of occurrence and misbehaved with the Area Manager can not be sustained and enquiry is vitiated on this ground alone.

9. It is admitted case of the management that there is no presenting officer was appointed by the bank to plead the case of the management. The enquiry officer was conducting the enquiry as an enquiry officer as well as presenting officer and the enquiry officer in this case also acted as disciplinary authority in as much as he heard the workman on the proposed punishment. The disciplinary authority has passed the order of punishment only. Before inflicting the punishment the disciplinary authority has not given any show cause notice before inflicting the punishment of stoppage of two increments and other punishment. In view of the settled principle of law, the enquiry stands vitiated on this ground also. In the case in hand also, the enquiry officer acted as enquiry officer-cum-presenting officer-cum-disciplinary authority also which goes to show that it is against the principles of natural justice and enquiry being against the principles of natural justice, the same is vitiated and the punishment imposed on the basis of this departmental enquiry is set aside and the workman is held entitled to all the increments which have been stopped with cumulative effect and also the remaining pay by deducting subsistence

allowance during the period of suspension from 3-2-1984. It is pertinent to mention here that the management has not pleaded that in case the enquiry is vitiated on any ground, the management is ready to prove the charges in the court/Tribunal itself. Therefore, it is held that the enquiry is vitiated and the punishment awarded vide letter dated 30-9-1988 is set aside and the workman is held entitled to all the increments and other related service benefits as if there was no punishment awarded to the workman. The reference is answered accordingly in favour of the workman. Central Govt. be informed.

Chandigarh

S.M. GOEL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1126.—ऑपोगक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार केरा बैंक के प्रबंधनात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औपोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ऑपोगिक अधिकारण, नई दिल्ली नं. II के पंचाट (संदर्भ संखा 77/92) को प्रकलित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/145/92-आई.आर. (बी-II)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1126.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14-of. 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 77/92) of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi No.-II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 12-4-2004

[No. L-12012/145/92-IR(B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER :
 CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
 TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
 RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
 RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

Presiding Officer: SHRI R. N. Rai,

I.D. No. 77/92

In the matter of :—

Deepak Khullar

VERSUS

Canara Bank

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-12012/145/92-IR-B(II) Central Government dt. 31-8-92 has

referred the following point for adjudication. The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Canara Bank, imposing the two punishments simultaneously i.e. stoppage of one increment for one year w.e.f. 20-9-1990 and stoppage of another increment for six months is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim, he has stated that he was implicated in vague, baseless, false cases and inflicted punishment through the process of fake enquiries. He was tried by the different Enquiry Officers and both the officers held him guilty and the punishment was inflicted. The concerned Enquiry Officer was a retired military officer. He had no knowledge of disciplinary enquiry. He was on the maximum of his pay.

It has been further submitted that two enquiries were held. In both the enquiries, his one increment was reduced. In the first enquiry, his one increment was reduced for 6 months w.e.f. 13-9-1990 and in the other case, pay was reduced to next lower stage for one year operative from w.e.f. 20-9-1990 Exhibit 2 and Exhibit 3. Such enquiries are not according to the procedure of bipartite settlement. He has suffered financial loss.

The management has filed written statement. All the statement of claims have been denied and it has been stated in the written statement that the customer of the branch filed a complaint and on that complaint, an enquiry was held and the workman was found guilty and his one increment was reduced. This complaint was filed on 9-12-1989 and the report was submitted on 17-12-1989. The copy marked as Annexure M-2. The workman participated in the enquiry and it was considered appropriate that his one increment should be stopped for 6 months. The case was investigated by Kuawar Ashok Kumar and manager of the branch and officer of the bank and enquiry proceedings were held properly and the charges levelled against the workman were found correct so punishment was inflicted on him. The claimant exercised the right of appeal but the enquiry and the punishment were found correct in appeal also. It has been further submitted that on 31-3-1990, Shri Deepak Khullar refused to entertain a self drawn cheque for withdrawal of Rs. 70,000/- He behaved rudely with the customer. The bank lost its reputation. In this connection also, an enquiry was held and punishment was inflicted on 13-9-1990. His one increment was withheld to the next lower grade.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has denied all the statements of the written statement and has asserted that the enquiry was not fair, the bank reduced the pay scale of the workman at two stages which is against the bipartite settlement/award.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on record. It was argued that two enquiries were held and his one increment was reduced in both the cases. On 13-09-1990, his pay was reduced for 6 months operating from 13-09-1990 and in the other cases, his pay was reduced to next lower stage for one year operative w.e.f. 20-09-1990 which is Exhibit 2 and Exhibit 3. It was argued that during the year 1990. The enquiries were held two times and for the first time, increment was reduced for 6 months and for the second time, the increment was reduced for one year. In one year, two enquiries cannot be held. Now the substantial question is whether enquiries in one year two times can be held or not. There are two separate charges by two separate customers levelled against him and very mild punishment has been inflicted, that to after having recourse to fair enquiry. All the papers of the enquiry have been annexed with the record. I have gone through the papers. The workman has not challenged the reduction of salary of 13-09-1990. He has challenged the second enquiry in which the increment has been stopped for 6 months. The enquiry conducted in this case is according to the principles of natural justice. He has been afforded proper opportunity since there were two complaints and on both the complaints, the charge sheets were served on him and proper enquiry was held and the enquiry and the punishment were found correct upto appellate stage. Since his behaviour with the customers was rude on two days so far the different dates enquiries were held. Since the enquiry is proper and according to the principles of natural justice, the workman deserves to no relief.

The reference is replied thus:—

The action of the management of Canara Bank imposing two punishments simultaneously i.e. stoppage of one increment for one year w.e.f. 20-09-1990 and stoppage of another increment for six months is quite justified. The claimant is not entitled to any relief asked for.

Dated : 19-03-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1127.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधान त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली नं. II के पंचाट (संदर्भ संख्या 44/91) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-12012/262/89-आई.आर. (बी-II)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1127.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 44/91) of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi No.-II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workman, which was received by the Central Government on 12-4-2004.

[No. L-12012/262/89-IR(B-II)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

Presiding Officer: Shri R. N. Rai,

I.D. No. 44/97

In the matter of :—

M. C. JAIN

VERSUS

PUNJAB NATIONAL BANK

AWARD

The Ministry of Labour vide its letter No. L-12012/262/89-D2 (A) dt. 20-11-1989 Central Government has referred the following point for adjudication. The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Punjab National Bank in withdrawing the stagnation increment granted to Shri M.C. Jain, Spl. Assistant Adhoiwalla, Dehradun w.e.f. 24-2-1988 is justified? If not, to what, relief is the workman justified?

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim he has stated that the workman was employed in the opposite party bank since 12-12-1957 at Branch Office, Chandausi and he reached the ceiling of scale on and w.e.f. 21-12-1972 under the provisions of the award and settlement. In terms of clause-I of the third bipartite settlement dt. 8-9-1983 the workman is entitled to a stagnation increment only after completing 5 years service after he reaches the maximum in the scale of pay: but the first such increment will be granted to the employee eligible for stagnation increments, effective from the date on which it falls due or from 1-1-1980 whichever is later, but the next increment will accrue to him on completion of five years of service as from the date of the first stagnation increment falls due but not earlier than 1-1-1981.

It has been further submitted that in view of these provisions, the workman is entitled to the first stagnation increment from 21-12-1977 but in view of the aforesaid provisions of the B.P.S. that increment would have become due after the second stagnation increment would have become due after the completion of five year's service from the actual due date of the first stagnation increment i.e. from 21-12-1982.

That after reaching the maximum in the scale of pay, Shri M.C. Jain was promoted to the post of Accountant on and w.e.f. 26-12-1973 and served the bank as such till 28-02-1984, whereafter he was reverted to the clerical cadre on his own request based on medical and compassionate grounds.

It has been further submitted that the workman is entitled to receive additional increments for educational qualifications, the maximum of 5 increments on account of being a graduate and having passed completed both the parts of CAIB, w.e.f. 1-3-1984 the date on which his reversion to clerical cadre was effected but the bank refused to pay on the ground that the workman remained officer, he was not entitled to all the five increments manifestly an untenable plea. Consequently, an Industrial Dispute was espoused before the Asstt. Labour Commissioner (Central) Dehradun failing which this case has been referred to this Tribunal.

During the course of proceedings, the management filed its written statement. It has been stated in their written statement that the workman concerned will be allowed special allowance in view of his educational qualifications in terms of provisions of the Bipartite Settlement from the date of his reversion to the clerical cadre w.e.f. 1-3-1984.

That it has been further admitted that after his reversion to the clerical cadre, the concerned workman has been requesting the management to release the stagnation increment w.e.f. 1-3-1984. He wrote letter in 1987 but it was communicated to him that he is not entitled to stagnation increment in view of circular No. 730 dt. 17-10-1983. He received two more letters in which it has been written that since Shri M.C. Jain has completed only one year service in clerical cadre at the ceiling stage, he is required to put in four year's service in clerical cadre after his reversion on and w.e.f. 1-3-1984 in clerical cadre so as to become eligible for the release of first stagnation increment in February, 1988 only. The decision of the management is arbitrary.

That the first increment may be released w.e.f. 1-3-1984. The first stagnation increment was given to him w.e.f. 24-2-1988 for having completed 5 years of service at the ceiling of pay in the clerical cadre, but the management abruptly took a decision to stop the first stagnation increment sanctioned to the workman w.e.f.

24-2-1988 and order for making the recovery. The first stagnation increment is not in consonance with the B.P.S. dated 08-09-1983 because Shri M.C. Jain was promoted as Accountant on and w.e.f. 26-12-1973 and he, declining his Officer cadre post of his own, requested reversion to clerical cadre which was granted and effected from 1-3-1984.

That withdrawing the first stagnation increment of Rs. 95/- is arbitrary and violative of the provisions of the Bipartite settlement dated 08-09-1983, because Shri M.C. Jain was never offered any promotion to the Officer Cadre after the signing of the said settlement on 08-09-1983 as such question of refusal to accept any such offer of promotion by Shri Jain does not arise.

That the action of the management in withdrawing stagnation increment granted to Shri M.C. Jain w.e.f. 24-2-1988 is violative of the well settled Principles of Natural Justice. The action of the management in withdrawing the stagnation increment granted to the workman without serving notice of change in service conditions is illegal and unjustified to allow payment of stagnation increment w.e.f. the date of reversion to the clerical cadre which is 1-3-1984 in terms of clause-1 of the third BPS dt. 8-9-1983 and to award entire costs of the case which has been forcibly thrust upon the poor workman by arbitrary withdrawing the already granted stagnation increment and to award such other reliefs and benefits as deemed proper and expedient in the facts and circumstances.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that if any difficulty arises regarding the interpretation of any settlement, matter will be taken up only at the level of Indian bank's Association and the National Confederation of the Bank Employees, for discussion and settlement.

In fact the PNB Employees Union (UP) which has raised this dispute is affiliated to the National Confederation of Bank Employees, one of the signatory of the above settlements. Hence it was mandatory for them to first abide themselves with the above provisions of the settlement because of the fact that, as contended before the conciliation Authority also, the matter relates to divergent interpretation of Rules of the BPS dt. 08-09-1983 and, therefore, it was incumbent upon the union to take up the matter before the IBA first before invoking the jurisdiction of provision of the Industrial Disputes Act, 1947. The other parts of the claim has been denied. It has been admitted in the written statement that he joined service in the bank on 11-2-1957. He was promoted to the post of accountant in Grade 'C' on 26-12-1973 and on his own request dated 23-1-1984, sought reversion to the post of clerk and joined as such on 1-3-1984 after remaining Accountant upto 28-2-1984 from 26-12-1973.

Meanwhile on 08-09-1983, a settlement was signed between the Bank and the Unions whereby the employees in Clerical cadre were entitled to two stagnation increments @ equivalent to last increment drawn after putting in 5 years service after reaching the maximum of the scale of pay, subject to certain other conditions.

That in terms of the provisions of the settlement dt. 08-09-1983 Shri Jain would not be entitled for any stagnation increment, however, on account of inadvertent error one stagnation increment was released in favour of Shri Jain w.e.f. 24-2-1988. Since he was not entitled to stagnation increment so the stagnation increment granted to him was withdrawn on 12-09-1988 and it was withdrawn under the settlement dt. 08-09-1983. No notice under Section 9A was given as it was not required for effecting such change in terms of a settlement of award.

In para 4 and 5 under the facts of the case, no notice was required to be given. The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has stated that the increment was abruptly withdrawn. The facts of the instant case do not create any obligation on the part of the Union to make any reference to fBA or NCBE, however, in the circumstances of the case it was obligatory on the part of the O.P. to make reference to fBA to seek clarification of interpretation because it was the O.P. who has wrongly interpreted the settlement clauses and stopped paying stagnation increments and withdrawn the said increment granted to the workman. He has denied all the allegations of the written statement and stated that his stagnation increment was illegally withdrawn and he is entitled to get stagnation increment.

Heard arguments from both the parties. Both the parties have filed written arguments. Heard them orally.

It is admitted that in 1988, first stagnation increment was granted to the workman but it was granted by mistake and in view of the settlement of 1983, it was again withdrawn. It was further stated by the learned counsel for the workman that the workman was promoted on the post of accountant in 1973 and accordingly had completed one year of service in stage of ceiling of the clerical cadre. For his entitlement of Stagnation increment in accordance of P.D. Circular No. 730 dated 17-10-1983 consequent to his reversion as Clerk/Typist in the year 1984, he is required to put in 4 years of service at the stage of ceiling i.e. Rs. 1040/- and as such will be eligible for release of his first Stagnation increment in February, 1988 only.

Heard arguments from both the sides and pursue the records.

It is admitted that the workman was appointed during the month of December, 1957. He remained accountant upto 28-2-1984. In the meantime settlement dt. 08-09-1983 was signed. The counsel for the workman

argued that stagnation increment could not be given to an employee who at any time after the commencing of the settlement after being offered and are selected for promotion refused to accept such promotion. It was submitted that this provision is for those persons who are promoted and refused to accept the promotion but in the case of this employee, he was already promoted on 26-12-1973. In this provision, there is no mention that the person who has been previously promoted will also be affected by this provision. The case of the workman is not that promotion was offered to him and he was selected for promotion and he refused it instead he was promoted on 26-12-1973 and on compelling grounds on his own request dt. 23-1-1984, he was reverted to clerical cadre. As such, this provision of bipartite settlement is not applicable to this workman.

It was further submitted by the counsel of the workman that under Section 9A of the I.D. Act, notice of change by the employer must be communicated to the workman but in this case, the workman has not been intimated regarding the notice.

The Learned counsel for the workman drew my attention to 1990 (61) FLR 55 in which it has been held that notice under Section 9A is mandatory.

The counsel for the management submitted that the workman is bound by a bipartite settlement dt. 08-09-1983. He has refused promotion and notice under Section 9A is not necessary as one increment was given to him inadvertently. In 1992 (64) FLR 503, it has also been held that notice under Section 9A is necessary in case there is some change in the service conditions. On 24-2-1988 the workman was offered one stagnation increment but subsequently that increment was withdrawn. The provision dt. 09-08-1983 is regarding those person who have been promoted or selected for promotion and have refused promotion. It is not applicable to those person who have already worked on promoted post for 10 years and on compelling grounds and on their own request, they were reverted to clerical cadre. As such, the claim of the workman deserves to be allowed. I find no force in the arguments of the management.

The reference is replied thus :—

"The action of the management of Punjab National Bank in withdrawing the stagnation increment granted to Shri M.C. Jain, Spl. Asstt., Adhoniwala, Dehradun w.e.f. 24-2-1988 is not justified. The workman is entitled to get the stagnation increment according to the provisions before the Bipartite Settlement of 08-09-1983 with a simple interest of 6% per annum.

The Award is given accordingly.

Dated : 2-4-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली 13 अप्रैल, 2004

का.आ. 1128.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण कानपुर, उ.प्र. के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. 31 ऑफ 1997) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 12-04-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/84/89-आई.आर.(बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th April, 2004

S.O. 1128.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (of 1947), the central Government hereby publishes the award (I.D. No. 31 of 1997) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, Kanpur, U.P. now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workman, which was received by the Central Government on 12-04-2004.

[No. L-41012/84/89-IR(B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI SURESH CHANDRA PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM- LABOUR COURT, SARVODYA NAGAR, KANPUR, U.P. INDUSTRIAL DISPUTE NO. 31 OF 1997

In the matter of dispute between :—

President

Rashtriya Chaturth Shreni Railway Mazdoor Congress (Intuc) 2/236 Nainnair Agra.

AND

Divisional Railway Manager (P)

Western Railway Jaipur

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-41012/84/89-I.R.-B-1 dated 3-1-97, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of D.R.M.(P) Western Railways in removal of Sri Harisewak Lavania Cellman w.e.f. 22-3-77 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?

2. The petitioner workman filed written statement of claim alleging therein that the petitioner workman Sri Harisewak Lavania was appointed and working as

Cellman (Electric Foreman) on monthly wages of Rs. 456. The management has illegally terminated the service of the workman w.e.f. 22-3-77 on the basis of a false allegation without conducting legal domestic inquiry against him. The workman never remained absent from his duties and the management themselves considered the workman as absence from duty w.e.f. 22-3-77 whereas the workman was on sanctioned leave w.e.f. 22-3-77. The railway department has issued railway privilege passes nos 370328 and 116699. The workman was charge for misconduct due to absence from duty but the legal domestic inquiry was not conducted and the workman was never served with any chargesheet nor he was ever afforded any opportunity to contest the same. On return after availing the leave the workman continued to attend the place of his posting but he was never given any work nor any payments were made to him. The petitioner filed a case for realization of the amount before the CGIT cum Labour Court, New Delhi, which was rejected vide order dated 17-8-87. The workman thereupon approached the ALC(C) Lucknow against his removal from service but no settlement could be made and a failure of conciliation report was submitted to the appropriate government. The competent authority earlier vide order dated 19-9-87 declined to refer the dispute which was allowed vide order dated 6-11-96 and the Hon'ble High Court directed the government to reconsider the matter. The government thereupon referred the above industrial dispute for adjudication.

3. The management of railway filed written statement against the statement of claim filed by the workman stating therein that the services of the workman was dismissed after holding a domestic inquiry against his misconduct in not following the directions of the management and instead of giving his joining at the destination of his posting on promotion the workman remained absent through out. On appeal, however, the appellate authority modified the order of dismissal into removal of service of the workman on the basis of charges levelled against him vide chargesheet dated 22-2-78 for his absence from duties.

4. The workman also filed his rejoinder against the written statement filed by the management.

5. The original dispute referred for adjudication relate to removal of service of the workman w.e.f. 22-3-77 which was amended by the competent authority on application of workman to 22-2-78.

6. Both contesting parties filed documentary evidence in support of their respective claim and reply and also adduced their oral evidence in support of their cases.

7. The workman examined himself as w.w.1 and against it on behalf of the management Senior Electrical Engineer Sri Shailendra Saxena was examined as M.W.1.

8. The workman submitted his written arguments against which the management submitted oral arguments.

9. It is not in dispute that the workman Sri Harisewak Lavania worked with the management and that he was dismissed from service by the management and on appeal the punishment of dismissal was modified to removal from service.

10. It is contended on behalf of the workman that the workman was never served with the chargesheet and that the management has failed to prove the service of charge sheet as well as service of show cause notice on the workman. The workman in his statement on oath has stated that he was illegally removed from service w.e.f. 22-3-77 whereas he obtained privileges passes from the management a day before that. He further stated that he was not served with any S.F. 5 nor he was informed about the nomination of the inquiry officer to conduct the inquiry nor he is aware as to when the alleged inquiry was held. In his cross examination he admitted that during his absence he moved application for grant of leave but they were never granted. He denied the suggestion given by the management that he was not on leave granted by the management as alleged w.e.f. 22-7-77. He however admitted that no intimation about the non-grant of leave was given to him. He further denied his knowledge about the fact that vide order dated 16-3-77 he was transferred from Agra to Badakui railway station. He further denied that he never intended to take the said transfer order.

11. Against this witness of the workman the witness of the management stated that the workman was shown the transfer order on 22-3-77 and thereafter he did not report for duty since then nor he was granted any leave for his absence. This witness however admitted that on 5-4-77 an application was received from the workman for grant of leave which was refused and the intimation of refusal of leave was served upon the workman through letter sent by registered post and the workman was directed to report on duty without fail. The workman however failed to resume duty. On 5-6-77 the workman again applied for grant of leave for 180 days which too was rejected vide order dated 24-6-77 and he was again directed to report on duty. The order was served on him through registered post and the privilege passes were issued to the workman on 24-12-76 and 30-12-76 respectively but the workman failed to utilise them and the workman never travelled on the basis of these passes issued to him by the management. It is further stated by this witness that the workman was charged vide order dated 22-2-78 for his willful absence from duty which continued for about a year and that the workman was directed and served to appear and take part in the said inquiry. The workman was dismissed from service on the conclusion of the inquiry against him but on appeal the appellate authority modified the punishment as above. The relevant documents have been proved by this witness

as Ext.M-1 to Ext. M-34. In his cross examination by the workman, the witness categorically stated that he privilege passes bears the date of its issue. The witness further denied the suggestion of the workman that chargesheet was never served on the workman or that the proceedings of the inquiry was never served upon the workman.

12. The workman however admitted in his cross examination that all the applications for grant of leave submitted by him were rejected and the intimation of rejection of leave was duly served on the workman after 3 or 4 months. He expressed his ignorance about his transfer to Badakui from Agra vide order dated 16-3-77 but he stated that he never refused to accept the said order.

13. Heard the parties and perused the record and the evidence adduced by the parties. From the documentary evidence adduced by the management and not controverted by the workman it is quite clear that the workman never joined the place of his posting on transfer either on promotions or on routine transfer by the department. This fact is fully corroborated by the letters given by the workman dated 19-12-73, 10-4-74, 29-4-74, 2-5-75 and other letters written by the workman on different dates which are management Ext. nos 1, 2, 3, 4, 7, 11, 16 and 17. All these letters written by the workman clearly prove the fact that on one or the other pretext the workman had not complied with the orders of his transfer by the management and the workman wilfully avoided to discharge his duties after reporting his joining at the transferred place. Even on previous occasions the workman did not join at the transferred place by refusing his promotions. So far as the knowledge of rejection of leave is concerned the witness has himself admitted this fact that his prayer for leave applied for was not acceded to by the department. Mere moving applications for leave does not entitle any workman to absent himself from service. The management has fully proved that the workman despite information to him regarding rejection of leave applications through registered post did not report for duty at the transferred place. As such it cannot be said that the workman had no knowledge about the non grant of leave applied for.

14. Another question arises whether the workman was informed about the disciplinary proceedings initiated against him by the management and that the workman was given full opportunity to defend himself or not. In this connection the management has filed the enquiry proceedings wherein the workman was fully informed about the proceedings and appointment of enquiry officer but the workman failed to participate in the proceedings and to defend himself. His appeal against the punishment was also duly considered and the punishment reduced admittedly. After considering the entire evidence on record it is clearly held that the management had acted legally by initiating disciplinary proceedings against the delinquent workman by affording him opportunity to

defend himself, the inquiry proceedings do not suffer from any illegality or infirmity.

15. Therefore, it is held that the action of the management in removing the workman Sri Hari Sewak Lavalia Cellman with effect from 22-3-77 is legal and justified. The workman is, therefore, not entitled for any relief claimed for.

SURESH CHANDRA, Presiding Officer

नई दिल्ली 20 अप्रैल, 2004

का.आ. 1129.—ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33 ग की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार यह प्रावधान करने के लिए दिनांक 29-8-2000 की अधिसूचना संख्या जैड-13011/1/97 सी एल एस-II में और संशोधन करती है कि भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की दिनांक 3-2-1987 की अधिसूचना संख्या ए-11016/5/85 सी एल टी द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत गठित श्रम न्यायालय, बंगलौर श्रम न्यायालय होगा जो उस राशि का निर्धारण करेगा जिस पर उस उप-धारा में उल्लिखित किसी लाभ की गणना कर्नाटक राज्य (केवल) में किसी उद्योग में नियोजित कामगारों के संदर्भ में की जाएगी जिसके संबंध में केन्द्र सरकार समुचित सरकार है।

[एफ. सं ए-11016/3/2003-सी एल एस-II]

वाई. पी. सहगल, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 2004

S.O. 1129.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby further amends the notification No. Z-13011/1/97-CLS-II dated 29-8-2000 to provide that the Labour Court, Bangalore constituted under Section 7 of the said Act, by the notification of the Govt. of India in the Ministry of Labour No. A-11016/5/85-CLT dated 3-2-1987 shall be the Labour Court which shall determine the amount at which any benefit referred to in that sub-section would be computed in terms of money in relation to workmen

employed in any industry in the State of Karnataka (only) in respect of which the Central Government is the appropriate Government.

[F. No. A-11016/3/2003-CLS-II]

Y P SEHGAL, Under Secy.

नई दिल्ली 20 अप्रैल, 2004

का.आ. 1130.—ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33 ग की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार दिनांक 12-2-2004 की भारत सरकार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना ए-11016/3/2003 सी एल एस-II द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत गठित श्रम न्यायालय, एर्नाकुलम को उस श्रम न्यायालय के रूप में निर्दिष्ट करती है जो उस राशि की निर्धारण करेगा जिस पर उस उप-धारा में उल्लिखित किसी लाभ की गणना केरल राज्य और संघ शासित क्षेत्र लक्ष्मीप में नियोजित कामगारों के संदर्भ में की जाएगी जिसके संबंध में केन्द्र सरकार समुचित सरकार है।

[एफ. सं. ए-11016/3/2003-सी एल एस-II]

वाई. पी. सहगल, अवर सचिव

New Delhi, the 20th April, 2004

S.O. 1130.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies the Labour Court, Ermakulam, Constituted under Section 7 of the said Act, by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. A-11016/3/2003-CLS-II dated 12-2-2004 as the Labour Court which shall determine the amount at which any benefit referred to in that Sub-section would be computed in terms of money in relation to workmen employed in any industry in the State of Kerala and the Union Territory of Lakshadweep in respect of which the Central Government is the appropriate Government.

[F. No. A-11016/3/2003-CLS-II]

Y. P. SEHGAL, Under Secy.